

//-- सुविवार --//

सफलता और असफलता के रास्ते एक ही हैं बस लक्ष्य दोनों का अलग। अब यह आप पर निर्भर करता है कि आप किस चुनते हैं।

सूर्योदय-सूर्यास्त

उदय : 05:56 प्रातः

अस्त : 05:58 संध्या

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.0	17.0
जमशेदपुर	32.0	18.0
हजारीबाग	30.0	19.0
डालतगंज	32.0	18.0

संक्षिप्त

चीन से पहले भारत आर्येंगे पीएम प्रचंड

काठमांडू। पुष्प कमल दहल प्रचंड तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री के करीबी सूत्रों के मुताबिक वे अप्रैल की शुरुआत में भारत जाने की तैयारी कर रहे हैं। वर्ष 2008 में पहली बार जब पुष्प कमल दहल प्रचंड प्रधानमंत्री बने तो प्रचंड ने चीन से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू की। नेपाल के सभी प्रधानमंत्रियों की भारत से अपनी पहली विदेश यात्रा शुरू करने की परंपरा को तोड़ते हुए, उन्होंने चीन की अपनी पहली विदेश यात्रा कर परंपरा को तोड़ा। लेकिन वर्ष 2016 में जब प्रचंड दूसरी बार प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने दो महीने से भी कम समय में भारत का दौरा किया।

न्यूजीलैंड में भूकंप के तेज झटके

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड में गुरुवार को भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए गए। भूकंपीय गतिविधि पर नजर रखने वाली संस्था यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक केरमाडेक द्वीप समूह में 7.1 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप से हुए नुकसान की जानकारी भूकंप समुद्र में आया है इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि भूकंप के एपिक सेंटर से तीन सौ किमी के दायरे में सुनामी आने का खतरा है। प्रशासन की तरफ से संभावित इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

ईडी ने के. कविता को फिर भेजा समन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता को नया समन जारी किया है। ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए 20 मार्च को दिल्ली स्थित दफ्तर में उपस्थित होने के लिए कहा है। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में के. कविता को ईडी के समक्ष गुरुवार के पूर्वाह्न 11 बजे पेश होना था, लेकिन उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अपनी लंबित याचिका का हवाला देते अपने एक प्रतिनिधि के जरिए जांच एजेंसी के दफ्तर दस्तावेज भिजवाया था।

श्रीनगर-लेह राजमार्ग 68 दिनों बाद खुला

श्रीनगर। श्रीनगर-लेह राजमार्ग को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने रिकॉर्ड 68 दिनों बाद यातायात के लिए खोल दिया है। इससे पहले राजमार्ग को खोलने में ढाई से तीन महीने लग जाते थे। यह राजमार्ग 434 किलोमीटर लंबा है। बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव चौधरी ने गुरुवार को जोखिला दर्रे को खोलना हमेशा सबसे कठिन चुनौती होती है।

आर्थिक संकट : बैंक रन की स्थिति बनने के बाद सिलिकॉन बैंक में तालाबंदी

एक हफ्ते में अमेरिका के तीन बैंकों में लगे ताले

नई दिल्ली : बीते एक पखवाड़े के दौरान तीन अमेरिकी बैंकों के डूबने की खबरें सामने आ चुकी हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार इन्हें बचाने के लिए आगे आई है, पर इनका भविष्य क्या होगा इसे लेकर अब भी अनिश्चितता कायम है। बीते शुक्रवार को बैंक रन की स्थिति बनने के बाद निवामकों ने सिलिकॉन वैली बैंक में तालाबंदी का फैसला लिया। रविवार आते-आते न्यूयॉर्क स्थित एक और प्रमुख बैंक सिनेचेर बैंक भी धराशायी हो गया। एसवीबी में तालाबंदी से दो दिन पहले क्रिटो बैंक सिल्वरेगेट ने भी अपना कारोबार बंद करने का एलान किया था। रविवार को एक संयुक्त बयान में अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट फेडरल रिजर्व और फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने कहा कि संकटग्रस्त बैंकों में जमा राशि की गारंटी दी जाएगी, पर ऐसा करदाताओं के पैसे ने नहीं किया जाएगा।



अंदर के पृष्ठों पर ♦♦	3 राजधानी	5 झारखंड	6 अभिव्यक्ति	7 झारखंड
------------------------------	--------------------	-------------------	-----------------------	-------------------

रांची, शुक्रवार, 17 मार्च 2023, चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी, विक्रम संवत-2080 वर्ष-08 अंक-324 पृष्ठ-12, मूल्य - 3 रुपये

रांची, रायपुर, बिलासपुर, भोपाल व जबलपुर से एक साथ प्रकाशित

रांची का बदला मौसम, कई स्थानों पर तेज आंधी के साथ बारिश व ओलावृष्टि

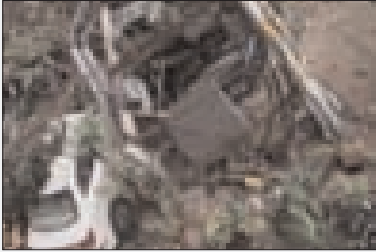
नवप्रदेश संवाददाता		
रांची: झारखंड में पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल रहा है। रांची में गुरुवार को दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला। आसमान में घने बादल छाने के कारण दोपहर में ही अंधेरा छा गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों तक राज्य भर के विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर वज्रपात और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। बारिश के कारण गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली, लेकिन ओलावृष्टि से		

फसलों को नुकसान पहुंचा है। मौसम विज्ञान अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ और सब हिमालयन टर्फ के कारण मौसम में बदलाव आया है। उन्होंने बताया कि आगामी 19 मार्च तक राज्यभर के विभिन्न स्थानों में बारिश की संभावना हैं। उन्होंने बताया कि 16 मार्च को दक्षिण पूर्व के क्षेत्रों को छोड़कर राज्यभर में विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना हैं। उन्होंने बताया कि 17 मार्च को राज्य के उत्तरी और पश्चिमी हिस्से में बारिश की संभावना है। जबकि 18 और 19

मई को भी विभिन्न स्थानों पर बारिश के साथ वज्रपात की संभावना है। रांची स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि बादलों का समूह अभी झारखंड की ओर बढ़ रहा हैं। उन्होंने सभी लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि बारिश दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहे। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि यदि फसल पक चुका है, तो उसे खेत से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर रखें। इसके अलावा इस मौसम में अपने पशुधन का भी ख्याल रखें।

पांच दिनों के लिए यलो व ऑरेंज अलर्ट जारी
मौसम विभाग की ओर से अगले पांच दिनों के लिए यलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके तहत 16 और 17 मार्च को राज्य में कहीं-कहीं तेज सतही हवा और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है, जबकि 18 से 20 मार्च तक राज्यभर में कहीं-कहीं वज्रपात और तेज आंधी चलने का अनुमान है। अगले पांच दिनों में रांची के अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस गिरावट की संभावना जताई गई है।

धुर्वा में वज्रपात से किशोरी की मौत, दो घायल पेड़ व बिजली के पोल गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त
तेज आंधी ने रांची में जमकर तबाही मचाई रांची में कई जगहों पर तेज हवा की वजह से पेड़ गिर गए। इसके कारण कई वाहन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। रेडिशन ब्लू होटल के पास तेज आंधी के कारण पेड़ की डाली और बिजली का पोल गिर गया। इससे कार और बाइक क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा तेज आंधी की वजह से



कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बेहद प्रभावित हो गई। इसी दौरान धुर्वा के शालीमार बाजार के पास आकाशीय बिजली गिरने से

रितिका मुंडा (13) की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को पारस अस्पताल में इलाज चल रहा है। रांची के साथ-साथ गुमला, सिमडेगा सहित राज्य के कई हिस्सों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग ने तेज हवा चलने का भी अनुमान लगाया था। अचानक बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

अदाणी पर कुछ सवाल पूछे थे, इसलिए किया जा रहा हंगामा : राहुल गांधी

सरकार की मंशा ध्यान हटाने की

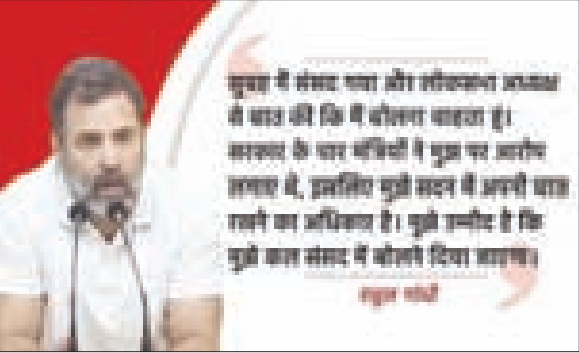
नई दिल्ली : कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को संसद पहुंचे। यहां उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही में भाग भी लिया। हालांकि, भाजपा और विपक्ष के बीच टकराव के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई, जिसकी वजह से राहुल को बोलने का मौका भी नहीं मिला। गौरतलब है कि भाजपा ने उन पर लंदन में देश विरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। इस पर राहुल ने कहा है कि अगर सभापति ने उन्हें मौका दिया तो वे मामले पर जरूर बोलेंगे। इसी मांग के साथ बाद में राहुल ने लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से मुलाकात भी की।

उम्मीद है मुझे संसद में बोलने दिया जायेगा

उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि कल मुझे संसद में बोलने दिया जाएगा। आज मेरे पहुंचने के एक मिनट के अंदर ही सदन स्थगित हो गया था। कुछ दिन पहले सदन में जो मैंने भाषण दिया। अदाणी को लेकर जो सवाल उठाए गए उसे हटा दिया गया। पूरे भाषण को ही हटा दिया गया। सरकार हंगामा कर के मामले से ध्यान हटाना चाहती है।

चार मंत्रियों ने मुझ पर आरोप लगाये

राहुल ने कहा कि सरकार के चार मंत्रियों ने हंगामे का नेतृत्व किया। यह सब मेरे सवालों के जवाब देने से बचने के लिए किया जा रहा है।



में सांसद हूं तो मेरी पहली जिम्मेदारी संसद में जवाब देने की है। इसलिए पहले मैं संसद में जवाब दूंगा, उसके बाद ही आपसे रूबरू होऊंगा और विस्तार से बात करूंगा।

सरकार और प्रधानमंत्री डरे हुए हैं

राहुल गांधी ने कहा कि सरकार और प्रधानमंत्री अदाणी मामले को लेकर डरे हुए हैं, इसलिए उन्होंने यह 'तमाशा' तैयार किया है। मुझे लगता है कि मुझे संसद में बोलने

नहीं दिया जाएगा। मुख्य सवाल यह है कि पीएम मोदी और अदाणी के बीच क्या संबंध है।

यह लोकतंत्र की परीक्षा

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि जैसा कि संसद में आरोप लगाए गए हैं, ऐसे में बोलने का अवसर मिलना मेरा लोकतांत्रिक अधिकार है। अगर भारतीय लोकतंत्र काम कर रहा होता तो मैं संसद में बोल पाता। वास्तव में आप जो देख रहे हैं, वह भारतीय लोकतंत्र की परीक्षा है।

राहुल गांधी अप्रैल में आर्येंगे रांची

रांची। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी अप्रैल माह में रांची आने वाले हैं। इस दौरान राहुल रांची में एक रैली को संबोधित करेंगे। प्रदेश नेतृत्व इसकी तैयारी में जुट गया है। प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी की रांची में प्रस्तावित रैली की तिथि और स्थान को लेकर अभी फैसला नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अधिवेशन में यह तय हुआ था कि हर राज्य के राजधानी में एक रैली का आयोजन किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विधानसभा चुनाव 2019 के दूसरे चरण में प्रचार अभियान को लेकर राहुल गांधी झारखंड आये थे।

आर्मी का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलटों की मौत

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी खेमंग जिले में गुरुवार को भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर हादसे में दोनों पायलट की मौत हो गई है। मारे गए पायलटों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी और मेजर जयंत ए का शव दुर्घटना स्थल से बरामद कर लिया गया है। दोनों के शवों को निकट के अस्पताल लाया जा रहा है, जहां पर अंतिम कार्रवाई की जाएगी। शव शाम करीब चार बजे



मिले। सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। सेना के लिए लम्बे समय

तक 'लाइफलाइन' रहे चीता हेलीकॉप्टरों के पुराने बेड़े को

प्रधानमंत्री कल ग्लोबल मिलेट्स सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में ग्लोबल मिलेट्स (श्रीअन्न) सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। गुरुवार को प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 मार्च को सुबह 11 बजे सुब्रह्मण्यम हॉल, एनाएएससी कॉम्प्लेक्स, आईएआरआई कैंपस, पूना नई दिल्ली में ग्लोबल मिलेट्स (श्री अन्न) सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सभा को भी

संबोधित करेंगे। भारत के प्रस्ताव के आधार पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष (आईवाईएम) के रूप में घोषित किया गया था। इसके अलावा, आईवाईएम 2023 के उत्सव को एक 'जन आंदोलन' बनाने और भारत को 'बाजरा के लिए वैश्विक हब' के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप जागरूकता फैलाने और प्रचार करने के लिए कार्य किये जा रहे हैं।

चा रही है कि विधानसभा की कार्रवाई 23 मार्च तक अपने निवत समय तक चलेगी। विधानसभा की कार्यवाही 24 मार्च तक निर्धारित

की गई थी लेकिन 24 मार्च को सरहल होने और सरकारी अवकाश घोषित होने के कारण अब 23 मार्च तक ही चलेगी।

आर्मी का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दोनों पायलटों की मौत

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी खेमंग जिले में गुरुवार को भारतीय सेना का एक चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलीकॉप्टर हादसे में दोनों पायलट की मौत हो गई है। मारे गए पायलटों की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल वीवीबी रेड्डी और मेजर जयंत ए का शव दुर्घटना स्थल से बरामद कर लिया गया है। दोनों के शवों को निकट के अस्पताल लाया जा रहा है, जहां पर अंतिम कार्रवाई की जाएगी। शव शाम करीब चार बजे



मिले। सेना ने जांच के आदेश दे दिए हैं। सेना के लिए लम्बे समय

तक 'लाइफलाइन' रहे चीता हेलीकॉप्टरों के पुराने बेड़े को

एसवीबी और सिग्नेचर बैंक कैसे डूबे?

अपने एक बयान में फेड ने कहा है कि अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम अब भी लचीला बना हुआ है और इसका एक मजबूत आधार है। 2008 की आर्थिक मंदी के बाद उस स्थिति से भविष्य में बचाव के लिए जो कदम उठाए गये, वे बैंकिंग सेक्टर के लिए बहुत उपयोगी साबित हुए हैं। हालांकि कुछ फंसलों से नुकसान भी हुआ है। वर्ष 2018 में डोनल्ड ट्रंप के शासन काल में कांग्रेस ने 250 बिलियन डॉलर से कम की संपत्ति वाले क्षेत्रीय बैंकों को डॉड-फ्रैंक एक्ट से बाहर कर दिया। एसवीबी के पतन के समय उसकी संपत्ति 209 बिलियन डॉलर थी। एसवीबी के पतन का एक कारण डॉड-फ्रैंक एक्ट को वापस लेना था। इस फंसले से बैंक की निगरानी और पूंजीगत जरूरतें दोनों कम हो गई थी।

कैसे 'बैंक रन' के शिकार हुए अमेरिकी बैंक?

बैंक के लिए यह स्थिति तब बनती है, जब जमाकर्ता बैंक के कंगाल होने की आशंका से बिना सोचे-समझे होड़ लगाकर पैसा निकालने लगते हैं। एसवीबी बैंक में तालाबंदी का कारण यही था। बीते बुधवार को एवीबी के सीईओ ग्रेग बैंक ने बैंक के निवेशकों (शेयर होल्डर्स) को लिखा कि एसवीबी को अमेरिकी ट्रेजरी और मॉर्टगेज समर्थित सिक्वोरिटीज की बिक्री से 1.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है।

ग्राहकों ने निकाले 3.48 लाख करोड़ रुपये

बैंक की ओर से की गई इस घोषणा ने उसके ग्राहकों के बीच पैनिक का माहौल बनाया। उन्होंने गुरुवार (9 मार्च) को एक साथ ही बैंक से 42 अरब डॉलर (3.48 लाख करोड़ रुपये) की निकारी कर ली। शुक्रवार की सुबह होते-होते एसवीबी का बैलेंस माइनस 958 मिलियन डॉलर पर पहुंच गया। उसके तुरंत बाद एफडीआईसी ने घोषणा कर दी कि उसने एसवीबी का टेकओवर कर लिया है, और उसके स्थान पर नए डिपॉजिट इन्श्योरेंस नेशनल बैंक ऑफ सैंटा बलारा की स्थापना की गई है।

2001 से अब तक डूबे 563 अमेरिकी बैंक

एफडीआईसी के अनुसार 2001 के बाद से अब तक 563 बैंकों का पतन हुआ है। अक्तूबर 2020 में कनसास स्थित अल्ट्रेमा स्टेट बैंक के धराशायी होने के बाद एसवीबी और सिनेचेर बैंक का

नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो चुका है। एसवीबी और सिनेचेर बैंक का पतन अमेरिकी इतिहास का दूसरा और तीसरा सबसे बड़ा बैंक पतन रहा। वर्ष 2008 की मंदी के दौरान वॉशिंगटन म्यूचुअल के साथ हुआ हादसा दुनिया में अब तक का सबसे बड़ा बैंक पतन माना जाता है।

देश के प्रतिष्ठित पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के एलुमनाई का बीएयू में रांची मिलन समारोह

देश के सभी कोनों से सपत्तिक एलुमनाई हुए शामिल

►बीएयू के कृषि संकाय के छात्रों से अनुभवों को साझा किया

नवप्रदेश संवाददाता

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि संकाय प्रेक्षागृह में गुरुवार को देश के प्रतिष्ठित गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के 1977 बैच के एलुमनाई का एल्मुनी मीट झ्रसह- रांची मिलन समारोह का आयोजन किया गया. इस दो दिवसीय समारोह में देश के सभी कोनों से आये करीब 80 से अधिक एलुमनाई ने सपत्नी भाग लिया. समारोह का उद्घाटन कुलपति डॉं ओंकार नाथ सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की. विश्वविद्यालय के कुल गीत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई. इस गीत को सभी ने खड़े होकर गाया. मौके पर 1977 बैच के दिवंगत कुल 28 एलुमनाई को दो मिन्ट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के शांति की कामना की गयी.

समारोह की अध्यक्षता करते हुए बीएयू कुलपति डॉं ओंकार नाथ



सिंह ने कहा कि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, जो भारत वर्ष का पहला एवं देश का सबसे प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों में से एक है. हमारा सौभाग्य है कि इस विश्वविद्यालय के 1977 बैच का में भी छात्र रहा हूँ. इस बैच के छात्र कृषि सेवा, कृषि वैज्ञानिक सेवा, कृषि शिक्षा सेवा, उर्वरक कंपनी, प्राइवेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर एवं उद्यमी के रूप में देश के सभी कोनों में अपनी सेवा दे रहे हैं. बहुतायत एलुमनाई सेवानिवृत्त होकर भी

आज समाज में अपना योगदान दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में इनकी मौजूदगी छात्रों और वैज्ञानिकों के लिए एक सुनहरा अवसर है. बीएयू के छात्र एवं वैज्ञानिक भी मेधावी और परिश्रमी है. इनके अनुभवों से राज्य कृषि को नया आयाम देने की कोशिश को बल मिलेगा.

एग्जीबायोज झ 1977 बैनर तले पंजीकृत इस एलुमनाई संस्था के अध्यक्ष बीडी सुयल ने बताया कि विश्वविद्यालय के 1977 के 158

छात्र-छात्राओं में कुल 122 लोग एक-दुसरे से जुड़े हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि क्षेत्र में अपना योगदान दे रहे हैं. उन्होंने रांची मिलन समारोह के आयोजन के लिए बीएयू कुलपति डॉं ओंकार नाथ सिंह का आभार जताया. समारोह का संचालन करते हुए संघ के सचिव केके नायल ने कहा कि यह क्षण पारिवारिक दायित्व के अलावा जीवन को जीने का बेहद खास अवसर है. समारोह में इस दो पल की खुशी से जीवन जीने का मनोबल बढ़ेगी और कृषि क्षेत्र में

बेहतर योगदान देने का अवसर मिलेगा. इस अवसर पर उन्होंने सपत्नी मौजूद सभी एलुमनाई का परिचय कराया. मौके पर कृषि क्षेत्र के लीक से हटकर कार्यों से जुड़े एलुमनाई दुष्यंत, के सुरेश एवं पंडिता जी ने अपनी सफलता के अनुभवों से अवगत कराया.
देर शाम आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में सबों ने गीत, संगीत, कविता एवं नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की. श्रीमति शैल सिंह ने अपनी कविताओं एवं गीतों से सबों को काफी प्रभावित किया.

पंतनगर कृवित्र एलुमनाई ने कृषि संकाय के छात्रों से अपने अनुभवों को साझा किया

एल्मुनी मीट झ्रसह- रांची मिलन समारोह के दौरान बीएयू के कृषि संकाय के यूजी, पीजी एवं पीएचडी में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में अंतरमिलन समारोह में भाग लिया. इस अवसर पर एग्जीबायोज झ 1977 के एलुमनाई दुष्यंत कुमार, एसबी प्रसाद, केके नायल, बीडी सुयल, आरबी सिंह एवं मुकेश शर्मा ने छात्र-छात्राओं

गौ माता को समर्पित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का पांचवां दिन

श्रीमद्भागवत कथा हरि से मिलने का मार्ग बताती है : पंडित नीरज

नवप्रदेश संवाददाता



रांची : हटुप गौशाला में गौ माता को समर्पित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन गुरुवार को कृष्ण लीला का मंचन किया गया। वृंदावन से आये पंडित नीरज कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं और रासलीला का भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान श्री कृष्ण की मनोरम झांकी निकाली गई। कथा के दौरान कथा व्यास ने कृष्ण जन्म कथा के बाद कथा को आगे बढ़ाते हुए पूतना वध, यशोदा मां के साथ बालपन की शरारतें, भगवान श्री कृष्ण का गो प्रेम, कालिया नाग मान

मर्दन, माखन चोरी गोपियों का प्रसंग सहित अन्य कई प्रसंगों का कथा के दौरान वर्णन किया। उन्होंने कंस वध की भविष्यवाणि, कृष्ण का जन्म, कृष्ण की बाल लीलाएं आदि पर चर्चा की और सभी भक्तजन को को ओत्प्रेोत किया। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कथा व्यास द्वारा बीच-बीच में सुनाए गए भजन पर

श्रोता भाव विभोर हो गए।

पंडित नीरज कृष्ण शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा विचार, वैराग्य, ज्ञान और हरि से मिलने का मार्ग बता देती है। कलयुग की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि कलयुग में मानस पुण्य तो सिद्ध होते हैं। परंतु मानस पाप नहीं होते कलयुग में हरी नाम से ही जीव का कल्याण हो जाता है। कलयुग में ईश्वर का नाम ही काफी है सच्चे हृदय से हरि नाम प के सुमिरन मात्र से कल्याण संभव है। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण की भक्ति करने वाला प्राणी उनकी कृपा का पात्र बनता है। भगवान कृष्ण ने अपनी लीलाओं से लोगों को कई संदेश

दिये हैं। उनकी हर लीला में मानव जीवन का कल्याण था। श्री गोपीकृष्ण सेवा संस्थान रांची के तत्वावधान में आयोजित यह कथा 18 मार्च तक प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। संस्था की ज्योति कुमारी ने बताया कि कथा का श्रवण करने के लिए प्रतिदिन भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के अध्यक्ष सज्जन सिंघानिया, मीरा अग्रवाल, ज्योति कुमार, जेपी शर्मा, ज्योति कुमारी, सुरेश कुमार, सुरेश अग्रवाल, रानन कुमार शर्मा, राजेश चौधरी समेत अन्य लोग सहयोग कर रहे हैं। यह जानकारी ज्योति कुमारी ने दी।

झारखंड समेत कई राज्यों में चलेगा ग्लूकोमा जागरूकता अभियान
(नवप्रदेश संवाददाता) रांची : एंटीड आई हेल्थ फाउंडेशन ने 12 से 20 मार्च के बीच 'वर्ल्ड ग्लूकोमा वीक' के तहत ग्लूकोमा जागरूकता अभियान को लांच किया गया। यह अभियान मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, पंजाब, बिहार और झारखंड में चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत ग्लूकोमा के बारे न केवल जानकारी बढ़ाई जायेगी बल्कि लोगों को जांच लिए जागरूक भी किया जाएगा। ग्लूकोमा रोकथाम रणनीतियों का समर्थन करने के लिए एक्सपर्ट्स के साथ जागरूकता बातचीत भी आयोजित की जायेगी। इस अभियान का लक्ष्य है कि देश में लगभग 10 मिलियन लोगों तक पहुंचा जाए और उन्हें जागरूक किया जाए। इस अभियान में विशेष रूप से 40 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों के अलावा युवाओं पर भी पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यह पहल ग्लूकोमा के बारे में जानकारी फैलाने के लिए शुरू की जा रही है। इस पहल के तहत लोगों से आग्रह किया जायेगा कि वे लगातार अंतराल पर अपनी आंखों की जांच करवाएं ताकि वे ग्लूकोमा के खतरों को भाप सकें और उसी के अनुसार देख रूख कर सकें। नियमित अंतराल पर जांच कराने से वे ग्लूकोमा के लिए उपलब्ध उपचार विकल्पों से भी जागरूक रह सकते हैं। एंटीड फार्मास्यूटिकल्स ग्लूकोमा के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसको बढ़ने से रोकने में एंटीड आई हेल्थ फाउंडेशन के साथ प्रयासरत है। एंटीड फार्मास्यूटिकल्स के सीईओ निखिल के मासुरकर ने कहा कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता की कमी के कारण गंभीर समस्याएं और यहां तक कि स्थायी रूप से नजर खोने का भी खतरा रहता है। ग्लूकोमा जागरूकता अभियान शुरू करने का हमारा उद्देश्य विभिन्न आकर्षक गतिविधियों के माध्यम से इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

नेशनल पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप से झारखंड से भी 9 खिलाड़ी भाग लेंगे
(नवप्रदेश संवाददाता) रांची : पांचवा नेशनल पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप-23 का आयोजन 23- 26 मार्च तक लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में होगा। इस पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप में पैरालंपिक कमेटी ऑफ झारखंड से भी 9 पारा बैडमिंटन खिलाड़ी भाग लेंगे। पैरालंपिक कमिटी ऑफ झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष शशि रंजन सिंह, उपाध्यक्ष विजय कुमार दत्ता एवं पारा बैडमिंटन कमेटी के स्टेट को-ऑर्डिनेटर कमल कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि लखनऊ में आयोजित पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप में झारखंड से 9 पारा बैडमिंटन खिलाड़ी संजना कुमारी, बजरंगी प्रियरंजन, बिट्टू कुमार, कमल कुमार अग्रवाल, अतुल चंदन, दीपक कुमार महाराज, रामकुमार, मुकेश चौधे एवं दिलीप कुमार झा भाग लेंगे। सभी खिलाड़ी स्टेट पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भी भाग ले चुके हैं। सभी प्रतिभागी स्टेट चैंपियनशिप में बेहतर प्रदर्शन कर चुके हैं। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के चयन कमेटी के चेयरमैन डॉ. राजजी कुमार एवं पैरालंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के स्टेट मीडिया को-ऑर्डिनेटर सजय सराफ ने बताया कि 24 -26 मार्च तक लखनऊ में आयोजित नेशनल पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु झारखंड से सभी चयनित खिलाड़ी 21 मार्च को लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। तथा टीम ऑफिसर कमेटी के उपाध्यक्ष विजय कुमार दत्ता, एवं टीम के कोच रतन कुमार चौधरी भी टीम के साथ लखनऊ जाएंगे। उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन करने के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

दिघिया में ग्राम सभा की बैठक, कई योजनाओं के लिए दिया आवेदन

बेड़ो : बेड़ो प्रखंड के दिघिया पंचायत सचिवालय में गुरुवार को मुखिया प्रबला केरकेट्टा के अध्यक्षता में ग्राम सभा और ग्राम संघटन से पारित योजनाओं के समर्पित के लिए बैठक किया गया जिसमें ग्राम संघटन से ग्राम गरीबी उन्मूलन योजना के तहत हक्दारी योजना जॉब कार्ड के लिए 38 आवेदन, उच्चला योजना के लिए 140 आवेदन, राशनकार्ड के लिए 8 आवेदन, स्वस्थ भारत मिशन योजना के लिए 58 आवेदन, पेंशन के लिए 7 आवेदन और सार्वजनिक योजना के लिए 18 योजनाओं

को ग्राम संघटन के अध्यक्ष बेबी देवी और दिघिया आजीविका महिला संकुल संघटन के सचिव अर्बन्ति देवी के द्वारा अपने जनप्रतिनिधियों को आगे की कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया गया साथ ही एस एच जी. वी ओ और सी एल एफ के बैठक में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर चर्चा किया गया। वही शुक्रवार को पेंशन से वंचित लोगों को पेंशन का लाभ दिलाने के लिए पंचायत सचिवालय में विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। इस बैठक में मुखिया ने कहा कि ग्राम संघटन से

प्राप्त योजनाओं को सत्यापित कर के कार्यकारणी बैठक से पास करते हुए ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर एंटी करने की स्वीकृति दिया जायेग इन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही पंचायत का विकास संभव हो सकता है। इस बैठक में पंचायत समिति सदस्य रोशन तिव्की ,वार्ड सदस्य सतीश सिंह,उमेश भगत,हदीस खातून,पूजा देवी ,मंगल उरांव,आदेश कुमार यादव ग्राम संघटन के दीदी दिविया देवी टीआरआईफ से सीएलएफचरआर पवन कुमार ,सुनील भगत,पिकी कुमारी मौजूद थे।

अनुरूप सुप और दउरा में सरई फूल और गुलाल लेकर पाहन पुनई उरांव सहित अन्य लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर तथा सरई फूल देकर सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद लोगों के उत्साह और उल्लास में कोई कमी नहीं आई। सरना स्थल से शोभा यात्रा पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए मुख्य सड़क होकर ककरिया पहुंची। यहां बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय मुखिया बिरसम्पणी देवी, जुलूस का नेतृत्व करते हुए पूर्व जिला परिषद

सदस्य बांदे हेरेंज, वार्ड सदस्य मनोज उरांव, समाजसेवी जीवन मुंडा, जय किशोर मुंडा, मुकेश मुंडा, करण मुंडा विनोद उरांव, नारायण मुंडा, सुजीत मुंडा, विनोद मुंडा सहित अन्य लोगों ने उनीकैल तथा चापाटोली से मिलन के लिए पहुंची सरहुल शोभायात्रा की टीम का भव्य स्वागत किया। शोभा यात्रा के दौरान क्या बड़ा क्या छोटा सभी लोग मांदर की थाप पर थिरक उठे। ककरिया गांव का भ्रमण करने के बाद शोभा यात्रा मुख्य सड़क होकर पुनः अंबाटोली पहुंची और सरना स्थल के पास सरहुल सभा में परितर्जित हो गई। सरहुल शोभायात्रा को सफल बनाने में जीवन मुंडा, रीना देवी, शांति उराइन, सावित्री देवी, अनिमा हेरेंज, चरिया देवी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतिकूल मौसम और भारी बारिश के ऊपर सरहुल का उत्साह

शोभायात्रा के दौरान मांदर की थाप पर थिरक उठे लोग

►पाहन पुजार ने घर घर जाकर सरई फूल की फूलखोसी की

नवप्रदेश संवाददाता

लापुंग : लापुंग प्रखंड के ककरिया अंबाटोली में प्रतिकूल मौसम और भारी बारिश के ऊपर सरहुल का उत्साह, मांदर की थाप तथा नृत्य का उल्लास भारी पड़ा। सरहुल पूजा आयोजन समिति अंबाटोली के तत्वधान में पाहन पुनई उरांव,पुजार बरला उरांव तथा महतो सुशील मुंडा के संयुक्त नेतृत्व में अंबाटोली के सरना स्थल से भव्य सरहुल शोभायात्रा निकाली गई। गाजा बाजा खासकर मांदर की थाप पर थिरकते युवक-युवतियों ने प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर अद्भुत समां बांधा। कार्यक्रम का शुभारंभ पाहन पुजार सहित

अन्य धरम अगुआ को गांव के ग्रामीणों ने मिलकर पारंपरिक रूप से स्नान कराया। अन्य लोगों ने एक दूसरे को गुलाल पुजार महतो सहित अन्य लोगों ने घर घर जाकर सभी के घरों में फूलखोसी के आदिवासी सरना परंपरा और संस्कृति के

अनुरूप सुप और दउरा में सरई फूल और गुलाल लेकर पाहन पुनई उरांव सहित अन्य लोगों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर तथा सरई फूल देकर सरहुल पर्व की शुभकामनाएं दी। भारी बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद लोगों के

उत्साह और उल्लास में कोई कमी नहीं आई। सरना स्थल से शोभा यात्रा पूरे गांव की परिक्रमा करते हुए मुख्य सड़क होकर ककरिया पहुंची। यहां बतौर मुख्य अतिथि स्थानीय मुखिया बिरसम्पणी देवी, जुलूस का नेतृत्व करते हुए पूर्व जिला परिषद

सदस्य बांदे हेरेंज, वार्ड सदस्य मनोज उरांव, समाजसेवी जीवन मुंडा, जय किशोर मुंडा, मुकेश मुंडा, करण मुंडा विनोद उरांव, नारायण मुंडा, सुजीत मुंडा, विनोद मुंडा सहित अन्य लोगों ने उनीकैल तथा चापाटोली से मिलन के लिए पहुंची सरहुल शोभायात्रा की टीम का भव्य स्वागत किया। शोभा यात्रा के दौरान क्या बड़ा क्या छोटा सभी लोग मांदर की थाप पर थिरक उठे। ककरिया गांव का भ्रमण करने के बाद शोभा यात्रा मुख्य सड़क होकर पुनः अंबाटोली पहुंची और सरना स्थल के पास सरहुल सभा में परितर्जित हो गई। सरहुल शोभायात्रा को सफल बनाने में जीवन मुंडा, रीना देवी, शांति उराइन, सावित्री देवी, अनिमा हेरेंज, चरिया देवी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एक नजर

देर रात हरयू हाउसिंग कॉलोनी से बाइक चोर गिरफ्तार

रांची : अरगोड़ा थाना की पुलिस ने बाइक चोरी करने के आरोप में राहुल कुमार उर्फ राहुल सिंह को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी अभियुक्त सुखदेव नगर थाना क्षेत्र का रहनेवाला है। इस संबंध में अरगोड़ा थाना प्रभारी पुनि विनोद कुमार ने बताया कि बुधवार की रात करीब डेढ़ बजे हरयू हाउसिंग कॉलोनी स्थित एक घर के सामने लगी बाइक को चोरी कर आरोपी भागने का प्रयास कर रहा था। आम लोगों की मदद से पुलिस की पेट्रोलिंग टीम द्वारा आरोपी को चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्त में आया अभियुक्त पूर्व में भी चोरी कांड में जेल जा चुका है।

पर्यवेक्षिका 75 सौ रुपये रिश्तत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

रांची : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, प्रमंडलीय कार्यालय, हजारीबाग की टीम ने गुरुवार को बाल विकास परियोजना, ईटखोरी गई तो उर्मिला कुमारी, पर्यवेक्षिका चतरा को 75 सौ रुपये रिश्तत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि चतरा जिला के पथलनाड़ प्रखंड की रहनेवाली आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका मीना बाजा और बंदिता देवी दोनों को पोषाहार के लिए पाँच-पाँच महीने का राशि भुगतान हो चुका था। जब ये दोनों फरवरी एवं मार्च माह का पोषाहार भाउवर जमा करने बाल विकास परियोजना, ईटखोरी गई तो उर्मिला कुमारी, पर्यवेक्षिका के द्वारा बोला गया कि पहले पाँच महीने के पोषाहार का जो पैसा आया है उसमें से 15 प्रतिशत कमिशन दो तब तुम्हारा फरवरी और मार्च का भाउवर जमा करऊँगी। अगर कमिशन नहीं देोगी तो तुम्हारा भाउवर जमा नहीं करूंगी। ये दोनों घुस देना नहीं चाहती थीं। दोनों ने इसकी शिकायत ब्यूरो, हजारीबाग में की थी। जिसके बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग के दण्डाधिकारी एवं दो स्तंत्र साक्षी के उपस्थिति में ट्रेप टीम के द्वारा प्राथमिकी अभियुक्त उर्मिला कुमारी, पर्यवेक्षिका बाल विकास परियोजना, ईटखोरी, चतरा को 75 सौ रुपये रिश्तत लेते हुए रुपे हाथ गिरतार किया गया।

देर रात कर रहा था मोबाइल छिन्तई,गिरफ्तार

रांची : लोअर बाजार थाना की पुलिस ने मोबाइल छिन्तई करने के आरोपी मो इमरान को गिरफ्तार कर गुरुवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी अभियुक्त कर्बला चौक,मजार गली का रहनेवाला है। इस संबंध में लोअर बाजार थाना प्रभारी पुनि संजय कुमार ने बताया कि बुधवार की रात करीब साढ़े नौ बजे इंगरा टोली के समीप अभियुक्त इमरान के द्वारा रज्जित कुमार भगत नामक व्यक्ति से मोबाइल छिन्तई का प्रयास किया जा रहा था। इस दौरान गुजर रही गश्ती पुलिस के द्वारा आरोपी को मौके पर घर दबोवा गया। पंडित के द्वारा अभियुक्त के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी गई है।

22 मार्च को वैश्य दिवस के रूप मे मनाया जायेगा : संजय

रांची : अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन,झारखंड प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संची के निर्देशनुसार एवं झारखंड में 22 मार्च को वैश्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश महामंत्री संजय चौधरी ने बताया कि 22 मार्च को प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर व प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही वैश्य समाज के महापुरुषों की तस्वीर लगाकर उनकी जीवनी के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान बच्चों और महिलाओं के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही 22 मार्च से लेकर 15 अप्रैल तक एवं झारखंड प्रदेश में प्रदेश स्तर से लेकर तहसील पंचायत तक दस रुपये का सदस्यता अभियान चलाकर समाज के लोगों को सदस्य बनाकर समता से जोड़ा जाएगा।

घर में घुसकर तोड़फोड़ करने व मारपीट करने का आरोप

रांची : सदर थाना अंतर्गत बड़गाई में रहनेवाले रतन कुमार जालान ने घर पर घुसकर रंगदारी मांगने और लाठी-डंडे से मारपीट करने के आरोप महेंद्र उरांव, विनोद उरांव ,बिगल उरांव, अशोक टोप्पी और दिलीप उरांव सहित अन्य अज्ञात पर लगाते हुये थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। प्राथमिकी में रतन कुमार जालान ने पुलिस को बताया कि उनकी माता बीना देवी जालान ने जमीन खरीदी थी। जिसमें वह वर्ष 2008 से अपने परिवार के साथ रहते आ रहे है। बुधवार की सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे 15 से 20 की संख्या में आरोपी लाठी-डंडे से लैस होकर जबन घुसकर तोफांफोड़ किये हैं। विरोध करने पर गाई के साथ मारपीट करते हुये सभी सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस दौरान आरोपियों द्वारा रंगदारी की मांग भी की गई।

बेड़ो में बीडीओ ने पीडीएस दुकान का किया निरीक्षण

बेड़ो : चावल दिवस के अवसर पर बीडीओ डा प्रवीण कुमार ने गुरुवार को जन वितरण प्रणाली दुकान का निरीक्षण किया। ज्ञाता हो कि प्रिमिहम 15 ,16 एवं 25, 26 तारीख को चालू दिवस मनाया जाना है। जिसमें जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को राशन का वितरण किया जाना है। जिसका निरीक्षण पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों दोनों के द्वारा जानी है। इसी क्रम में बीडीओ ने हरिहरपुर जामटोली पंचायत के बोदा गांव में जन वितरण प्रणाली दुकानदार सुनील कुमार यादव का दुकान का निरीक्षण किया। वही लाभुकों ने इस पीडीएस दुकानदार के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें किया था। इस दौरान बीडीओ ने दुकानदार को कार्डधारियों के बीच अनाज वितरण की समुचित व्यवस्था करने व कामजातों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। जिससे कार्डधारियों को परेशानियों का सामना करना नहीं पड़े।



बेड़ो : बेड़ो थाना के समीप बेड़ो थाना पुलिस ने गुरुवार को वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर थाना प्रभारी मनीष कुमार क्पा के नेतृत्व में थाना गेट के सामने सघन वाहन चेंकिंग अभियान चलाया गया। क्राइम कंट्रोल, सड़क सुरक्षा अधिनियम व क्षेत्र में शांति पूर्ण व्यवस्था को लेकर आने जाने वाली दो पहिया वाहन एवं हेल्मेट की जांच की गई। इस दौरान बाइक की सघन जांच की गई। इस चेंकिंग अभियान से वाहन चालकों में हड़कंध मचा रहा। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर वाहन चेंकिंग अभियान चलाया गया है।इस दौरान दर्जनों वाहनों की जांच की गई।

रॉकमैस ग्रीन की बड़ी जीत

रांची : गोलवकर ग्राउंड में खेले गए लिटिल गिर्स स्कूल वी डिविजन क्रिकेट में आज रॉकमैस ग्रीन ने टाटीसिलवे वी को 248 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉकमैस ग्रीन ने 35 ओवरों में 3 विकेट पर 314 रन बनाए। अभिजान ने नाबाद 121 और संजय ने 107 रन की शतकीय पारी खेली। जवाब में टाटीसिलवे की पूरी टीम 26 ओवरों में 66 रनों पर सिमट गई। उच्चल ने 18 रन बनाए। रोहित ने 3 और अभिराज ने 2 विकेट लिए।

एकता कमेटी ने भिखारियों को कराया भोजन

रांची : भारतीय एकता कमेटी के पदाधिकारी गन जो गुजर गए हैं, जैसे तिलक राज आजमानी भागवंद जैन पाटनी राजेंद्र राम मोहम्मद साबिर हवारी त्रिभुवन प्रसाद उर्फ बाबूजी फादर जोसेफ मीज फादर तुलस तिक्ती रामवंद राम अली हुसैन हवारी मौजीन मोहम्मद तैयब सरदार पम्मी सिंह चड्ढा सरदार मगत सिंह चावला मोहम्मद नियाज मोहम्मद परवेज जुगल प्रसाद आदि कई लोग इस दुनिया से चले गए हैं उन्ही लोगों के याद में आज गुरुवार को मां बांग्ला मंदिर काली स्थान रोड में भिखारियों जरूरतमंदों को पूरी सज्जी जिलेवी खिलाया गया और वाटर बोतल भी दिया गया इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने सभी लोगों से अपील की कि जो इस दुनिया से गुजर गए उन लोगों के लिए जरूर प्रार्थना दुआ करूँजिए कि जो भी यह शुभ कार्य नेक काम किया जा रहा है उन सभी के आत्मा रूह में सवाब नेकी पहुंचे इस शुभ कार्य में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा मोहम्मद जफर खान अरबाज सिंघानिया आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज रोजगार से जुड़े झारनियोजन पोर्टल करेंगे लॉन्च

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारनियोजन पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। श्रम नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा यह पोर्टल बनाया गया है। सरकार १८लक्षइच्छुक,११लक्षइच्छुक पाठेल्,३५लक्ष पाठेल् के माध्यम से नियोक्ता (नियुक्त करनेवाला या एम्प्लायर) एवं रोजगार ढूँढ रहे अभ्यर्थियों को एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। पोर्टल पर नियोक्ता अपने व्यवसाय एवं उससे संबंधित मानव बल के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं। साथ ही आवश्यक मानव बल के लिए रिक्तियां भी निकाल सकेगे। वहीं रोजगार के लिए इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित रोजगार के लिए खुला कर रजिस्टर कर अपना आवेदन भर्न सकेंगे। युवाओं के हित में राज्य सरकार ने सभी नियोक्ताओं से कई अपेक्षा की है। सरकार ने कहा है कि सभी नियोक्ता राज्य के प्रति अपने सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेवारी का निर्वहन करते हुए स्वेच्छा से झारखंड राज्य के निजी क्षेत्र के रोजगार में 75 प्रतिशत स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

संपादकीय

ईडी व अडानी बनेंगे मुद्दे

2024 के चुनाव की तैयारियों में सभी दल लगे हुए हैं। इस बीच पूरे देश में ईडी की कार्रवाई चल रही है। चूंकि ईडी उन्हें राज्यों में भ्रष्टाचार के पत्रे पलट रही है, जिन राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है। इस कारण भ्रष्टाचार के आरोप में विपक्षी दलों के कई नेताओं पर जांच एजेंसियों ने जो कार्रवाई की, अब वह राजनीतिक घमासान में बदल चुकी है। विपक्षी दल इसे भाजपा की अगुआई वाली नरेंद्र मोदी सरकार की सजिशा बता रहे हैं। वहीं इस मामले पर भाजपा किसी तरह से झुकने के मूड में नहीं है। कुल मिलाकर, 2024 लोकसभा चुनाव में जांच एजेंसियों की कार्रवाई एक बड़ा मुद्दा बन सकता है, क्योंकि विपक्ष इस पर एकजुट दिख रहा है। वहीं कांग्रेस ने अडानी के मुद्दे को अब सड़क पर ला दिया है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि 2014 में जमशे केन्द्र में भाजपा की सरकार आयी, तब से राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसी ईडी के इस्तेमाल में चार गुने से अधिक बढ़ोतरी हुई है। अभी तक इस जांच एजेंसी के दायरे में 125 नेता आये हैं, जिनमें 117 विपक्षी दलों से हैं। इसका मतलब यह है कि प्रवर्तन निदेशालय ने जिन मामलों में जांच शुरू की, उनमें से 95 फीसदी से अधिक विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ थे। वैसे, इस रिपोर्ट को लेकर भी विवाद हुआ। इसके बाद पूरा विपक्ष एकजुट होकर सरकार पर हमलावर हो गया। फिर जब एक संशोधन के जरिए ईडी को असंमित अधिकार दिए गए तो इस मामले पर भी विपक्ष एक हुआ। अब सुप्रीम कोर्ट में सभी राजनीतिक दल मिलकर इस संशोधन के खिलाफ रिव्यू प्रक्रिया चलावेंगे की तैयारी में हैं। विपक्ष को यह भी लगता है कि भाजपा का यह दांव इस बार निशाने पर नहीं लगेगा। उसका तर्क है कि हाल में जिस तरह से उसके नेताओं के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई हुई है, उससे न सिर्फ सत्ताधारी दल, बल्कि जांच एजेंसियों की भी विश्वसनीयता पूरी तरह से खत्म हो गयी है। इसलिए विपक्षी दल जांच एजेंसियों पर भी सीधे हमले पर सवाल खड़े किए हैं। याद करें, 2017 में जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद ही उन्होंने राजद से अपना गठबंधन तोड़ा था। लेकिन इस बार जब तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर छापे पड़े, तो वह उनके साथ खड़े दिखे। विपक्षी दल भाजपा पर दबाव बनाने के लिए अड़ाणी मुद्दे को भी उछाल रहे हैं। उनका तर्क है कि इस मामले के सामने आने के बाद ईडी ने कारोबारी समूह के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? विपक्षी दलों का यह भी तर्क है कि आम लोगों के सामने अभी महंगाई और बेरोजगारी बड़ी समस्या हैं, लेकिन केन्द्र सरकार इन मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष को निशाना बना रही है। कुल मिलाकर यह तय है कि 2024 के चुनाव में ईडी व अडानी प्रमुख मुद्दे होंगे।

सामयिकी

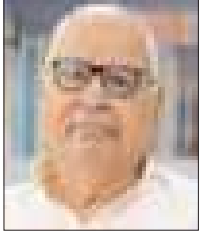
सरहुल का हुआ राजनीतिकरण



पद्मभूषण कड़िया मुंडा

जनजातीय समुदाय के सबसे बड़े त्योहार सरहुल पहले धार्मिक के साथ ही सामाजिक और सांस्कृतिक पर्व था, लेकिन अब इसका भी राजनीतिकरण हो गया है। लोग अलग-अलग समूह बनाकर अलग-अलग दिनों में सरहुल मना रहे हैं। पहले खुंटी में एक ही दिन सामूहिक रूप से सरहुल मनाया जाता था, लेकिन अब न वो सामाजिक एकता रही और न ही पुरानी परंपरा। हर गांव में अलग-अलग दिनों में सरहुल मनाया जाता है। सरना धर्म की परंपरा रही है कि जिस गांव में सरहुल संपन्न नहीं हुआ है, उस गांव में सखुआ या सई के फूल को ले जाने की मनाही थी। गांव में सरहुल होने के बाद ही कोई व्यक्ति इस फूल को लेकर जा सकता है। इसीलिए खुंटी के सीमावर्ती गांवों में सरहुल मनाने के बाद आतिम में खुंटी में सामूहिक रूप से सरहुल मनाया जाता था, ताकि सभी गांवों के लोग मुख्य कार्यक्रम में शामिल हो सकें। यदि किसी गांव में सरहुल नहीं मनाया गया है, तो उस गांव के लोग खुंटी के सरहुल में शामिल नहीं हो सकते थे, लेकिन अब लोग खुंटी में दो दिन सरहुल मनाने लगे हैं। कुछ लोग 24 मार्च को ही खुंटी में सरहुल मनाएंगे, जबकि पहले की परंपरा के अनुसार इस वर्ष छह अप्रैल को खुंटी में सामूहिक रूप से सरहुन मनाया जाएगा। पर्व-त्योहारों का इस तरह राजनीतिकरण कर कुछ लोग आदिवासियों की एकता को गंभीर चोट पहुंचा रहे हैं और सामाजिक एकता को नष्ट कर रहे हैं। अपनी संस्कृति, परंपरा, धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने वाले लोग भी अब दिखावे के लिए कार्नों में आएँ अपने घरों में सखुआ या सई का फूल लगाने लगे हैं। सरहुल का त्योहार सूर्य और पृथ्वी की शादी का पर्व है। इसीलिए गांव के पहान और उसकी वीनो को नया वस्त्र, नया घड़ा आदि देने की परंपरा है। सरहुल के बाद ही किसान खेतों में धान बुनने का काम शुरू करते हैं अर्थात सूर्य और पृथ्वी की शादी होने के बाद ही खेती-किसानी का काम शुरू होता है। अब तो ईसाई धर्म अपना चुके लोगों को भी पड़हा राजा बनाया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत और अवैधानिक है। रूढ़िवादी परंपरा को मानने वालों को ही पड़हा राजा का पद दिया जा सकता है और उसकी पगड़ी बांधी जा सकती है, लेकिन इन जनजातियों की परंपरा और संस्कृति को छोड़कर ईसाई बन चुके लोग पड़हा राजा बन रहे हैं। यह जनजातीय परंपरा के लिए ठीक संकेत नहीं है।

(प्रस्तुतकर्ता : हिंदुस्थान समाचार)



हृदयनारायण दीक्षित

दो ऑस्कर का मिलना संस्कृति प्रेमियों के लिए भी उत्साहवर्धक है। मुंबई फिल्म निर्माण का केन्द्र रहा है। दक्षिण भारत में भी तमिल, तेलुगु, कन्नड़ व मलयालम भाषी भी सुरुधिपूर्ण फिल्में बनाते रहे हैं। पश्चिम बंगाल के क्षेत्र में सत्यजित रे, ऋत्विक घटक, मृणाल सेन, ऋषिकेश मुखर्जी आदि प्रतिष्ठित रहे हैं। मुंबई में राज कपूर, महबूब खान, वी शांताराम, गुरुदत्त, यश चोपड़ा, गोविन्द निहलानी आदि निर्माता निर्देशकों ने भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया है।

गीत और संगीत मनुष्य मन को रसपूर्ण बनाते हैं। लेकिन दोनों में एक आधारभूत अंतर भी है। गीत का अर्थ होता है। अर्थ बुद्धि के माध्यम से मूल शब्दों के भाव को प्रकट करता है। गीत भी ध्वनि है। लेकिन उसका अर्थ बौद्धिक कार्यवाही से निकलता है। संगीत में ध्वनियों का प्रयोग होता है। प्राचीन भारतीय संगीत परंपरा में ध्वनि के अल्पतम अंश को भी सरस ढंग से प्रस्तुत किया जाता रहा है। षड्ज, ऋषभ, गांधार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद शास्त्रीय संगीत के आधारभूत सुर हैं। संक्षेप में इन्हें सा, रे, ग, म, प, ध और नि कहते हैं। शास्त्रीय संगीत परंपरा में राग हैं। प्रत्येक राग को सम्बंधित रागिनियां हैं। प्रत्येक राग में गाने का सुनिश्चित समय भी है।

हिन्दू पूर्वजों ने नृत्य को भी शास्त्रीयता के अनुशासन में बांधा है। नृत्य में गीत संगीत के साथ शरीर के भिन्न- भिन्न अंगों का भी प्रयोग होता है। जान पड़ता है कि नृत्य का विकास नाट्य कला के विकास के बाद का है। भरत मुनि ने नाट्यशास्त्र में बताया है कि, ह्यग्राचीन काल में नाटकों के मंचन के बाद नाट्य शिल्पी शिव के पास गए। उन्होंने नाटकों का विवरण सुनाया। शिव ने कहा कि, ह्यआप का काम अच्छा है लेकिन इसमें नृत्य नहीं है।हा शिव ने सुझाव दिया कि वे उनके नृत्य का सटुपयोग कर सकते हैं।

भारतीय नृत्य परंपरा प्राचीन है। नृत्य कला में नर्तक अनुर अंतर्जगत के भावों को देह पर प्रकट करता है। नृत्य के चरम पर नर्तक स्वयं नहीं बचता। वह नृत्य में खो जाता है। नर्तक नृत्य बन जाता है। भारतीय सिनेमा में नृत्य कला के उत्कृष्ट प्रयोग हुए हैं। आज नच ले नाम से बनी फिल्म में माधुरी दीक्षित का नृत्य मोहक के साथ मादक भी है। ऐसे ही हाल ही में एएसएस राजामौली की बहुभाषीय फिल्म आरआरआर के लोकप्रिय गाने नाटू नाटू की अंतरराष्ट्रीय चर्चा है।

मूल तेलुगु में नाटू नाटू का वास्तविक अर्थ हिन्दी में नाचो-नाचो है। अक्सर फिल्मों के लिए दिया जाने वाला महत्वपूर्ण पुरस्कार है। यह 1929 में पहली बार दिया गया था। ऑस्कर में नामांकित होना और अवार्ड पाना आसान नहीं है। हमारे देश के प्रतिष्ठित फिल्मकार अपनी फिल्में ऑस्कर के लिए ले जाते रहे हैं। मयर इंदिया, लगान और सलाम बॉम्बे जैसी फिल्में ऑस्कर में नामांकित हुई थीं। ऑस्कर के लिए पहले फिल्में नामांकित



होती हैं। फिर फिल्म निर्माता और टीम मिलकर चयन समिति के सदस्यों को अपनी फिल्में दिखाते हैं। राजामौली और उनके सहयोगियों ने इस काम को सफलतापूर्वक किया है। नाटू नाटू गीत संगीतकार एएसएम रिक्खानी की आकर्षक धुन है। इसे ऑस्कर पुरस्कार मिलने से भारतवாसी बहुत प्रसन्न हैं। जीवन में नाचने जैसे अवसर सबके सामने आते हैं। विवाह बारात में लोग बुजुर्गों को धक्का देकर नाचने में लिए-प्रति कराते हैं। बुजुर्ग संकोच करते हुए कभी-कभी प्रशिक्षित नर्तक की तरह भी नाचते हैं और कभी कभी सहज भाव से। इस फिल्म में आजादी की लड़ाई में संघर्षरत नायकों को जब नाचने की चुनौती मिलती है तो वे अपने नृत्य से सबको आनंदित करते हैं।

इसी तरह भारतीय डॉक्सुमेंट्री लघु फिल्म दि एलिफेंट विहस्पर्स को भी ऑस्कर मिला है। यह दक्षिण भारत के एक गांव के दंपति और उनके गोद लिए हाथी के बच्चे पर बनी सुंदर और हृदयस्पर्शी लघु फिल्म है। दोनों को मिले पुरस्कार से समूचा भारत प्रसन्न है। 2 ऑस्कर भारतीय सिने जगत के लिए उल्लेखनीय सफलता है। भारतीय सिनेमा ने अभिनय, संवाद, कथानक, गीत और संगीत के साथ गुणवत्ता के सभी मानकों पर स्वयं को सही सिद्ध किया है। भारतीय सिनेमा कथानक, संवाद और सोदेश्य होने के मामले में पहले से ही प्रतिष्ठित रहा है। अब उसमें आधुनिक तकनीकी और सिनेमा

के सभी घटकों का सफलतापूर्वक प्रयोग हो रहा है। यह भारत के लिए गौरव की बात है। दुनिया में अनेक प्रतिष्ठित ऐतिहासिक नायक हैं। कुछ नायक इतिहास के साथ साथ पौराणिक चरित्र वाले भी हैं। लेकिन श्रीकृष्ण विष्णु अवतार होकर भी भारतीय पुराण परम्परा में अनूठे नर्तक हैं। शिव देवतंत्र में श्रीकृष्ण जैसा दूसरा प्रेमपूर्ण नर्तक नहीं हुआ। वे नर्तक के साथ उत्कृष्ट बांसुरी वादक भी हैं। दुनिया की कोई भी श्रभ्यता श्रीकृष्ण जैसे नर्तक और बांसुरी वादक देवता कल्पना में भी नहीं गढ़ पाई। शिव भी नर्तक हैं। नटराज करते हैं। अपने गणों को भी नृत्य में शामिल करते हैं। गाते हैं। नाचते हैं। नचाते भी हैं। गीत-संगीत और नृत्य से भारतीय सांस्कृतिक साहित्य का अंग-अंग भरा-पूरा है। नारद निराले पात्र हैं। वे बिना किसी वाहन के सभी लोकों की यात्रा करते हैं और वीणा लेकर विश्व भ्रमण करते हैं।

भारतीय दर्शन के अनुसार प्रकृति की शक्तियां भी नाचती हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर नाचते हुए परिक्रमा करती है। ऋग्वेद में सोम देवता के लिए कहा गया है कि सोमरस नाचते हुए कलश में गिरता है। ऋग्वेद के अनुसार सृष्टि सृजन के समय देवता भी नाच रहे थे। उनके नृत्य से उड़ी धूल से आकाश भी आच्छादित हो गया था। नृत्य सबको पुलंकित करता है। हॉलीवुड की फिल्में नृत्य प्रधान नहीं होतीं। लेकिन भारतीय सिनेमा अपने जन्मकाल से ही नृत्य प्रधान रहा है। इस नृत्य में लोक के

साथ शास्त्रीयता भी संगति में रही है। अमिताभ बच्चन पर फिल्माया गया गीत हम नाचे बिन घुंघरू के गांव-गांव लोकप्रिय था और है। तीसरी कसम शैलेन्द्र निर्मित फिल्म थी। यह मारे गए गूलफाम नाम की कथा पर आधारित थी। इसके गीत भी गांव-गांव में लोकप्रिय हैं। दक्षिण भारत की लोकप्रिय अभिनेत्री थी सिल्क स्मिता। उनकी जीवनी को केन्द्र में रख कर श्याम बेनेगल ने भूमिका नाम की फिल्म बनाई थी। इसका गीत संगीत बहुत लोकप्रिय हुआ। बाद में इसी फिल्म के कथानक को लेकर डट्टी पिक्चर बनी थी। भारतीय फिल्में आत्मीयता प्रेम और सामाजिक आदर्शों का संदेश देती रही हैं। वे केवल मनोरंजन का मसाला ही नहीं रहीं। उनमें कला थी। संदेश था और भारतीयता भी थी।

दो ऑस्कर का मिलना संस्कृति प्रेमियों के लिए भी उत्साहवर्धक है। मुंबई फिल्म निर्माण का केन्द्र रहा है। दक्षिण भारत में भी तमिल, तेलुगु, कन्नड़ व मलयालम भाषी भी सुरुधिपूर्ण फिल्में बनाते रहे हैं। पश्चिम बंगाल के क्षेत्र में सत्यजित रे, ऋत्विक घटक, मृणाल सेन, ऋषिकेश मुखर्जी आदि प्रतिष्ठित रहे हैं। मुंबई में राज कपूर, महबूब खान, वीं शांताराम, गुरुदत्त, यश चोपड़ा, गोविन्द निहलानी आदि निर्माता निर्देशकों ने भारतीय सिनेमा को समृद्ध किया है। राजश्री प्रोडक्शन ने पारिवारिक मयादांओं को पुष्ट करने वाली फिल्में दी हैं। भारतीय सिनेमा ने गीत संगीत कथानक व अभिनय के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कला की दृष्टि से भी भारतीय सिनेमा ने उसच व लव स्टोरी 1942 जैसी यादगार फिल्में दीं। सिनेमा निर्देशक का माध्यम है। गीतकार, संगीतकार, संवाद लेखक और अभिनेता की भी अपनी जगह है। लेकिन निर्देशक की सूझबूझ और सांस्कृतिक दृष्टि का विशेष महत्त्व है। ऑस्कर की चुनौती से नई प्रेरणा मिलेगी। आशा की जानी चाहिए कि उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सिने जगत से जुड़े सभी महानुभाव भारत की संस्कृति को संवर्धित करने का लक्ष्य लेकर सोदेश्य सृजन करेंगे। पुरस्कार प्राप्त दोनों फिल्मों के निर्देशकों व उनकी सहयोगी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

(लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा से निकलता 'स्व' का जयघोष



डा. मयंक चतुर्वेदी

हिंदुत्व के विचार का विरोध करने वाली देश के भीतर और बाहर की अनेक शक्तियां निहित स्वार्थों और भेदों को उभार कर समाज में परस्पर अविश्वास, तंत्र के प्रति अनास्था और अराजकता पैदा करने के लिए नए-नए षड्यंत्र रच रही हैं।

पानीपत वैसे इतिहास में कई स्मृतियों को स्वयं में समेटे हुए है। वे स्मृतियां भारत की उस शक्ति की याद दिलाती हैं जो भारत को भारत बनाए रखने का कारण है। साथ ही इन्हीं स्मृतियों से भारत की वे कमजोरियां भी याद आती हैं जिन्होंने विजित जाति के इतिहास को पलटकर उस कसबट बैठा दिया जहां से सदियों की दासता और उससे संघर्ष करते नए भारत का दौर शुरू होता है। ऐतिहासिक संदर्भों में पानीपत वह स्थान है जिसे कभी महाभारत काल में पांडवों द्वारा ‘पांडुप्रस्थ’ नाम से बसाया गया था किंतु आज जिस कारण से इस स्थान को याद किया जाता है वह भारतीय इतिहास की तीन प्रमुख लड़ाइयां हैं, जिन्होंने भारत की सांस्कृतिक विरासत से लेकर भारत के समूचे अस्तित्व को बदलने का प्रयास किया है। कहते हैं संघर्ष कैसा भी हो जो विजित होता है शासन वही करता है। पानीपत में भी यही हुआ। जिस पानीपत में ‘स्व’ के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए सम्राट हेमचंद्र विक्रमादित्य लड़ाई लड़ रहे थे और जिस पानीपत में इसी ‘स्व’ के लिए 1761 में अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह अब्दाली और पुणे के सदाशिवराव भाऊ पेशवा के बीच युद्ध लड़ा गया। उसी पानीपत की घटी पर फिर एक बार ‘स्व’ की पहचान एवं भारतीय जीवन में उसके आचरण के लिए राष्ट्रीय श्रवसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा पर फिर एक बार ‘स्व’ की पहचान एवं इस बैठक में होने को तो बहुत कुछ हुआ, किंतु इसमें महत्व का जो सबसे अधिक लगता है, वे प्रस्ताव आना है जोकि भविष्य के भारत की दशा और दशा दोनों तय करनेवाले हैं। जिस ‘स्व’ के लिए कभी पानीपत में हमारे पूर्वज युद्धरत रहे, उसी ‘स्व’ की हक वहां से फिर गुंजायमान दुल है। इसीलिए ही यहां सामूहिक रूप से परित प्रस्ताव में जो देकर कहा गया कि ‘स्व’ आधारित राष्ट्रीय नवोत्थान का संकल्प लें। अखिल भारतीय

प्रतिनिधि सभा का यह सुविचारित अभिमत है कि विश्व कल्याण के उदात्त लक्ष्य को मूर्तरूप प्रदान करने के लिए भारत के ‘स्व’ की सुवीर्य यात्रा हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत है। विदेशी आक्रमणों तथा संघर्ष के काल में भारतीय जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ तथा सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक व्यवस्थाओं को गहरी चोट पहुंची। इस कालखंड में पुन्य संतों और महापुरुषों के नेतृत्व में संपूर्ण समाज ने सतत संघर्षरत रहते हुए अपने ‘स्व’ को बचाया रखा। इस संश्रण ‘नी प्रेरणा’ स्तम्भ, स्वदेशी और स्वराज की ‘स्व’ त्रयी में निहित थी, जिसमें समस्त समाज की सहभागिता रही।

वस्तुतः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिस ‘स्व’ को आज याद कर रहा है, उसे आप गहराई से देखें और महसूस करीं तो ध्यान में आता है कि यह ‘स्व’ स्वाधीनता के पश्चात कहीं खो गया था। जिस राजनीतिक अवधारणा के बीच इस ‘स्व’को नकारा जा रहा था। जैसे इसे नकारने के बाद ही प्रोग्रेसिव, लिबरल, इंटेलैकुअल की छाप आया पर लगती। इस बात को बहुत बड़ी संख्या में पड़े लिखे नहीं समझना चाह रहे थे कि जिस भारत से दुनिया परिचित है, उस भारत के ‘स्व’ को नकारना यानी अपने अस्तित्व को ही चुनौती देना है। उस दौर में जो भी भारत के ‘स्व’ को बात करता वह कम्युनल और एंटी प्रोग्रेसिव कहलाता। फिर भी कुछ पड़े लिखे और आज की भाषा में कहें तो बहुत से निरक्षर लेकिन शिक्षित हिम्मतों ऐसे थे जिन्होंने कभी भी इस ‘स्व’ को नहीं त्यागा। वे हर परिस्थिति में ‘स्व’ के आग्रही बने रहे। उन्होंने इस ‘स्व’ को ठीक उसी तरह पकड़ रखा था, जैसे कभी यहूदियों ने इजराइल के अस्तित्व में आने के पूर्व तक अपनी शपथ दुनिया के हर कोने से सबसे पहले सुबह उठते हुए उसे दोहराना याद कर रखा था। ऐसे ही लोग भारत में पीढ़ी दर पीढ़ी इस ‘स्व’ को याद करते

रहे और अपना कर्म करते रहे, इस आशा में कि कभी तो समय बदलगा, और देखिए! समय बदला, जो ‘स्व’ पर अंडिग रहे, आज वे भारत के कोने-कोने से उठ खड़े हुए हैं एक स्वर में। स्वाधीनता सेनानी रामप्रसाद बिस्मिल के शब्दों में कहें तो “भारत जननि तेरी जय हो विजय हो” यह गीत गाते हुए। आज हम देख रहे हैं कि भारत की जितनी प्रगति हमें चाहिए, इस ‘स्व’ के प्रकाश में, वह हमारी विदेशी नीति, रक्षा नीति, शिक्षा नीति, हमारी अर्थ नीति सब कुछ होते हुए, बहुत कुछ अगर बढ़ते हुए भारत के कोने-कोने में आज हमें दिखाई दे रही है। कहना होगा कि यह ‘स्व’ अपने पारिवारिक, व्यवसायिक, सामाजिक जीवन में आज जितना अधिक अभिव्यक्त होता दिख रहा है, भारत का भारतवत्त उतना ही अधिक विश्व पटल पर छा रहा है। वही कारण है कि आज भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभर रही है। भारत के सनातन मूल्यों के आधार पर होने वाले नवोत्थान को विश्व स्वीकार कर रहा है और ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ की अवधारणा के आधार पर विश्व शांति, विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण के लिए भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए अग्रसर दिखाई दे रहा है।

संघ का यह मत बिल्कुल स्पष्ट और सही है कि सुसंगठित, विजयशाली एवं समृद्ध राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया में समाज के सभी वर्गों के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति, सर्वोर्ण विकास के अवसर, तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग एवं परोपकारपूर्ण विकास सहित आधुनिकीकरण को भारतीय संकल्पना के आधार पर नए प्रतिमान खड़े करने जैसी चुनौतियां पर प पाना होगा। राष्ट्र के नवोत्थान के लिए हमें परिवार संस्था का हृदीकरण, बंधुता पर आधारित समस्त समाज का निर्माण तथा स्वदेशी भाव के साथ उद्यमिता का विकास आदि उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

इस दृष्टि से समाज के सभी घटकों, विशेषकर युवा वर्ग को समन्वित प्रयास करने की आवश्यकता है। कबना होगा कि संघर्षकारी में विदेशी शासन से मुक्ति के लिए जिस प्रकार त्याग और बलिदान की आवश्यकता थी; उसी प्रकार वर्तमान समय में उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सार्विक कर्तव्य के प्रति प्रतिबद्ध तथा औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त समाजजीवन भी आज खड़ा कर देने की आवश्यकता है। इस परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री मोदी का ‘पंच-प्रण’ का आह्वान भी महत्त्वपूर्ण है। इसलिए यहां संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस बात को रेखांकित करती हुई दिखती है कि एक और अनेक देश भारत की ओर सम्मान और सद्भाव रखते हैं, तो वहीं भारत के ‘स्व’ आधारित इस पुनरुत्थान को विश्व की कुछ शक्तियां स्वीकार नहीं कर पा रही हैं। हिंदुत्व के विचार का विरोध करने वाली देश के भीतर और बाहर की अनेक शक्तियां निहित स्वार्थों और भेदों को उभार कर समाज में परस्पर अविश्वास, तंत्र के प्रति अनास्था और अराजकता पैदा करने के लिए नए-नए षड्यंत्र रच रही हैं। हमें इन सबके प्रति जागरूक रहते हुए उनके भ्रमों को विफल करना होगा। अंत में यही कि भारत का यह अमृतकाल उभरे वैश्विक नेतृत्व प्राप्त कराने के लिए सामूहिक उद्यम करने का अवसर प्रदान कर रहा है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा प्रबुद्ध वर्ग सहित सम्पूर्ण समाज का आह्वान करती है कि हे भारतवासियों! भारतीय चिंतन के प्रकाश में सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक, लोकतांत्रिक, न्यायिक संस्थाओं को आगे बढ़ाओ। इतना ही नहीं तो समाजजीवन के सभी क्षेत्रों में यह ‘स्व’ संपूर्ण शक्ति के साथ प्रकट हो, जिससे भारत विश्वमंच पर एक समर्थ, वैभवशाली और विश्वकल्याणकारी राष्ट्र के रूप में समुचित स्थान प्राप्त कर सके।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं और न्यूज एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

वायरल होते प्राइवेट पोल, खुलकर सामने आता जातिवाद-वर्गवाद-क्षेत्रवाद

कोशल मूंदड़ा

टेलीविजन पर भी ऐसे रियलिटी शो होते हैं जिनमें जनता से आह्वान किया जाता है कि वे उम्मीदवारों के पक्ष में मत करें ताकि इन्हीं मतों के आधार पर निर्णय किया जा सके। इस हेतु कभी-कभी ऐसे ऐसे कारकों को सामने रख दिया जाता है जिनमें जाति, धर्म, क्षेत्र या वर्ग-विशेष की प्रभावशीलता शामिल होती है।

बरसों हो गए जातिवाद-वर्गवाद-क्षेत्रवाद से लड़ते-लड़ते। संविधान की थक गया जातिवाद को खत्म करने की बात कहते-कहते। सार्वजनिक रूप से जातिवाद की बात खूब की जाती है, लेकिन जैसे ही कहीं लाभ-हानि की बात आती है, सभी को अपनी जाति से समर्थन की आवश्यकता नजर आती है और यह स्थिति इन दिनों लगातार खुलकर सामने आ रही है। इस स्थिति का वाहक पेपरलेस मीडिया ज्यादा बन रहा है। देखा जा सकता है कि आगामी एक साल के दौरान जहां भी चुनाव है, वहां पर पेपरलेस माध्यमों ने अपना मोर्चा खोल लिया है। चाहे वह निजी विचारों के रूप में हो या सार्वजनिक रायशुमारी के रूप में, सर्वाधिक जोर ऑनलाइन सर्वे पर हो रहा है। कोई विधायक की उम्मीदवारों पर ऑनलाइन सर्वे करवा रहा है तो कोई मुख्यमंत्री के उम्मीदवारों पर रायशुमारी कर रहा है। हालांकि, ऑनलाइन पोल पहले भी होते रहे हैं और इनसे किसी को कोई गुंज नहीं है। किसी उत्पाद को लेकर कम्पनियां ऐसे ऑनलाइन पोल कराती रहती हैं। आजकल तो रेखां भी अपनी ऑनलाइन रेटिंग कराते हैं, बाक्यद्वय अपने यहां आने वाले ग्राहकों के विवाद होने से पहले उन्हें रेटिंग देने के लिए मीठा आहार भी करते हैं। ऐसे में ऑनलाइन पोल का आवागमन बढ़ता है जिसे इनकी भाषा में व्यूअर्स ट्रेण्डिक कहते हैं। पेपरलेस मीडिया की इस दौड़ में पेपर वाला मीडिया भी शामिल होता नजर आ रहा है। पेपरलेस मीडिया के संदर्भों के परिणाम पेपर वाले मीडिया के लिए भी सुर्खियां बनते नजर आ रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि आज

के समय में जितनी गहमागहमी एग्जिट पोल की नहीं होती, उससे अधिक इन ऑनलाइन पोल से हो रही है। इन ऑनलाइन सर्वेक्षणों ने राजनीतिक गलियारों में तो गहमागहमी बढ़ाई है, इससे ज्यादा गर्मी सामाजिक और जातीय गलियारों में बढ़ी नजर आ रही है। विधानसभा की उम्मीदवारी को लेकर इन ऑनलाइन पोल के लिए लिंक वायरल होने के बाद जो बातें देखी गईं उनमें सर्वाधिक गौर करने वाली बात जातिवाद और वर्गवाद को है। विभिन्न वाट्सएप समूहों में राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक आदि वर्गों वाले अलग-अलग प्रकृति के समूह शामिल होते हैं। इन ऑनलाइन पोल पर वोटिंग करते की अपील समाज स्तर पर भी की जाने लगी है। कोई सामान्य वर्ग में आने वाली जातियों का तर्क देते हुए उन जाति-समाजों के लोगों से वोट की अपील करता है तो कोई अन्य वर्ग के लिए। खास तौर से जहां सीट आरक्षित नहीं है वहां तो सामान्य वर्ग में आने वाली अलग-अलग जातियों के चेहरों की भी उम्मीदवारी की अपीलों का दौर नजर आता है। इनसे हटकर कहीं-कहीं कार्यक्षेत्र का उपयोग भी अपीलों में किया जा रहा है। कोई व्यापारी है तो वह व्यापार वर्ग से समर्थन मांगता नजर आ रहा है तो कोई किसी भी विषय पर किए जा सकते हैं और निजी क्षेत्र के व्यक्तिक के लिए तो वह रामबाण की तरह है क्योंकि इससे उनके यहां दूरियों का आवागमन बढ़ता है जिसे इनकी भाषा में व्यूअर्स ट्रेण्डिक कहते हैं। आदमीढ के लिए समर्थन मांगते नजर आते हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश में ऐसे पेपरलेस मीडिया के संवेक्षणों में ऐसी बातें देखने में आई हैं। वेब पोर्टल द्वारा कराये जाने वाले ऑनलाइन सर्वे उन पोर्टल्स का निहायत निजी और यूं कहें कि



अपनी पहुंच बढ़ाने का मामला कहा जा सकता है ताकि उन्हें प्रसिद्ध मिले और भविष्य में वार्ताजिक लाभ की संभावना भी बने। भले ही वे यह कह सकते हैं कि उम्मीदवारी का सर्वे किया जाना चाहिए। लोकतंत्र भी यही कहता है। लेकिन, सोशल मीडिया पर जो खुलकर जातिवाद-वर्गवाद सामने आता दिखाई पड़ता है उससे भारतीय लोकतंत्र की चिंता बढ़ना भी लाजिमी है। एक तरफ संविधान, चुनाव आयोग और विभिन्न राजनीतिक दल जोर-शोर से जातिवाद और वर्गवाद से ऊपर उठने का आह्वान करते नहीं थकते, दूसरी तरफ ठेठ निचले स्थानीय स्तर पर यही सबकुछ होते दिखाई देता है।

हाल ही में उदयपुर में भी देखने में आया। पिछले दिनों दो प्रमुख दलों के संभावित विधायक

उम्मीदवारों को लेकर निजी पोर्टल्स द्वारा ऑनलाइन सर्वेक्षण लिंक्स वायरल किये गए। निजी पोर्टल्स द्वारा उनके स्वयं के प्रयासों से ज्यादा उम्मीदवारों के सामाजिक व व्यापारिक समर्थकों ने उन लिंक्स को सामाजिक वाट्सएप समूहों में वायरल किया। यहां तक तो ठीक माना जा सकता है लेकिन सामाजिक, व्यापारिक और वर्ग विशेष समूहों में अपने अपने समाज और वर्ग के उम्मीदवारों के समर्थन में अपीलों ने इन सर्वेक्षणों की आड़ में जाति-वर्ग की राजनीति को बढ़ावा देने जैसा दृश्य खड़ा कर दिया। हालांकि, वाट्सएप समूहों में कई सुधिजनों के समूह भी हैं जहां वर्गीकरण वाली दाल गलती नजर नहीं आती। उन समूहों में वर्गवाद और जातिवाद से हटकर कर्मवाद पर चर्चा होती है। कुछ यह भी राय व्यक्त करते हैं कि ऐसे सर्वे से

कुछ फर्क पड़ने वाला नहीं है। लेकिन, जिनका नाम इस बहाने चलता है, उन्हें कुछ सुकून जरूर महसूस होता होगा। बरसों से राजनीतिक क्षेत्र में कार्य कर रहे वरिष्ठ भी इन ऑनलाइन सर्वेक्षणों को अनधिकृत और प्रोपेगंडा करार देते हुए कहते हैं कि उम्मीदवारी चंद लोगों की इस तरह की वोटिंग से तय नहीं हो जाती। वे इस बात पर चिंता जता रहे हैं कि ऐसे ऑपनिधन पोल में लोग जाति-समाज का आधार बनाकर भी वोट की अपील कर रहे हैं। यह सोच न केवल एक शहर बल्कि पूरे देश के लिए काई उचित नहीं हो सकती। वे कहते हैं कि चुनाव आचार संहिता से पहले तक ऐसे सर्वे खूब आते हैं, जिस दिन चुनाव आचार संहिता लगती है, यह सोच चुनौती चकल्लस अपने-आप बंद हो जाती है। वरिष्ठ समाजशास्त्री प्रोफेसर पीसी जैन कहते हैं कि आज न केवल युवा पीढ़ी बल्कि वृद्धजन और बच्चे, महिलाएं सभी सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। सोशल मीडिया व्यक्ति की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित भी कर रहा है। कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सोशल मीडिया की सक्रियता के कारण सामाजिक वैमनस्यता की स्थिति भी पैदा हो रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी जाति, वर्ग, धर्म, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता, लेकिन सोशल मीडिया कहीं न कहीं ऐसी भूमिका का निर्वहन कर रहा है जिससे जातिवाद, वर्गवाद और स्वर्धेक्षणों को बढ़ावा पनप रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अपने आपको श्रेष्ठ साबित करने के लिये समर्थन मांग जाता है और श्रेष्ठता को अलग रखकर जाति, धर्म व क्षेत्र के आधार पर मत मांगे जाते हैं और इसी आधार पर यह निर्णय लिया जाता है कि श्रेष्ठ कौन है या विजेता कौन है। वे कहते हैं कि निर्णय की इस प्रकार की प्रक्रिया

के लिये काफी घातक है। जहां व्यक्ति के गुणों व योग्यताओं को दरिगार कर प्रभावी कारकों व व्यक्तियों के मतों के आधार पर निर्णय लिया जाता है वह पूर्णतया अनुचित है। टेलीविजन पर ऐसे रियलिटी शो होते हैं जिनमें जनता से आह्वान किया जाता है कि वे उम्मीदवारों के पक्ष में मत करें ताकि इन्हीं मतों के आधार पर निर्णय किया जा सके। इस तरह कभी-कभी ऐसे ऐसे कारकों को सामने रख दिया जाता है जिनमें जाति, धर्म, क्षेत्र या वर्ग-विशेष की प्रभावशीलता शामिल होती है। उनमें किसी न किसी आधार पर व्यक्ति प्रभावित हो जाता है और अयोग्य व्यक्ति को मत दे देता है। उससे सम्पूर्ण समाज प्रभावित होता है। ऐसे दुष्प्रभावों से बचने के लिये सोशल मीडिया पर कुछ न कुछ नियंत्रण किया जाना आवश्यक जान पड़ता है। वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक सिंघवी कहते हैं कि अख्यल तो इस तरह के निजी पोर्टल्स के ऑपनिधन पोल कोई मान्यता नहीं रखते, इन्हें एक तरह से वार्ताज्यिक गतिविधि ही कहा जा सकता है। दूसरे इन पोर्टल्स को वजह से किसी की उम्मीदवारी तय नहीं होती। लेकिन, हाल ही जो दृश्य देखने में आया है कि स्वयंभू उम्मीदवारी जताने वाले शख्स अपने नाम को ऊपर बनाए रखने के लिए जाति और वर्ग को बैसाखी बनाकर सहयोग मांग रहे हैं, जबकि वही वास्तविकता में किसी को उम्मीदवार के रूप में देखा जाना चाहिए तो उसकी सर्वमान्यता होनी चाहिए और वह जाना स्वतः काम देखकर तय कर लेती है। जाति और वर्ग के आधार पर अपनी छवि को बड़ा करने वाले यदि कुछ जनप्रतिनिधि बन जाते हैं तो क्या वे किसी जाति या वर्ग विशेष के लिए ही काम करेंगे? राजनीतिक क्षेत्र के लोगों को जवाबदेही और शुचिता बनाए रखनी चाहिए।

■ न्यूज गैलरी

राज्यपाल से आपटे ने की भेंट



रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज राजभवन में शुभांगी आपटे ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर आपटे द्वारा राज्यपाल को प्लास्टिक मुक्ति अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। राज्यपाल ने कहा कि प्लास्टिक के हानिकारक के प्रभाव के बारे में जागरूकता न होने की वजह से इसका बिना सोचे समझे उपयोग किया जा रहा है। प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए गंभीर रूप से खतरा उत्पन्न करता है। पर्यावरण में इसका दुष्प्रभाव वन्य एवं जलीय जीवों पर भी पड़ता है। कई अवसरों पर प्लास्टिक को खुले में जलाया जाता है जिससे कई हानिकारण गैसों का रिसाव होता है जिसका प्रभाव क्षसन क्रिया पर पड़ता है। इसलिए राज्यपाल ने प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव को कम करने के लिए इसके उपयोग को सीमित करने के साथ-साथ इसके वैकल्पिक उपायों को अपनाने की बात कही। साथ ही इसके दुष्प्रभाव के बारे में व्यापक पैमाने पर लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता अनिवार्य है ऐसी बात कही।

भाजपा भीड़ को उकसा कर विधानसभा में कब्जा करना चाहती थी : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि लोकतंत्र में धरना प्रदर्शन हर राजनैतिक दल का अधिकार है लेकिन आंदोलन की मर्यादा और सीमा होती है। भाजपा भीड़



पुलिस वालो से मारपीट पर उतारु थे यह व्यवहार लोकतंत्र में अस्वीकार्य है। भीड़ को उकसा कर विधानसभा में कब्जा करने की कोशिश भाजपा का फ़नीवादी और अतिवादी चरित्र है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अपने आंदोलन की असफलता को छुपाने के लिये भाजपा नेताओं ने अपने कार्यकर्ताओं को उकसाने का भरपूर प्रयास किया। पुलिस द्वारा लगाये गये बैरिकेट्स को तोड़ा तथा पुलिस वालो, सुरक्षा बलों के जवानो से अभद्रता किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता अपने आंदोलन को हिंसक बनाना चाहते थे। पुलिस और सुरक्षाबलो के जवानों ने अपना धैर्य नहीं खोया और अप्रिय स्थिति बनने से रोका।

मंत्री अमरजीत भगत के ओएसडी से ठगी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में साइबर ठगी के प्रति जितनी जागरूकता फैलाई जा रही है-उतने ही ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। अलग-अलग माध्यम से साइबर फ्रॉड ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं. साइबर ठगों ने इस बार छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के ओएसडी को निशाना बनाया है. उनसे करीब एक लाख की ठगी हुई है. मंत्री के ओएसडी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. जिसके बाद साइबर सेल की टीम मामले की जांच में जुट गई है. कैसे हुई मंत्री के ओएसडी से ठगी : छत्तीसगढ़ के खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के ओएसडी अतुल शेटे से ऑनलाइन ठगी हुई है. तेलीबांधा थाना में ओएसडी शेटे ने लिखित शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में बताया कि ब्लू डॉट कंपनी से कुछ समान पार्सल मांगा था. घर पर नहीं होने की वजह से पार्सल वापस चला गया. गुरुल में ब्लू डॉट कंपनी के कस्टमर केयर का नंबर सचंच किया तो एक नंबर मिला. उस नंबर पर फ़ोन करने से कहा कि दूसरे दिन शाम 4 बजे तक पार्सल पहुंच जाएगा. इसके लिए एक लिंक पर पेमेंट करने को कहा गया. उसमें दो रुपये शुल्क जमा करना होगा. उनके बताए अनुसार शुल्क जमा किया. शुल्क जमा करते ही महज 3 मिनट के भीतर अलग अलग किस्तों में कुल 99,995 रुपये कट गए।

राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आज

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में तंबाकू उत्पादों का सेवन करने वालों विशेषकर गैर धूम्रपान यानी चबाने वाले तंबाकू के उपयोगकर्ताओं की संख्या सर्वाधिक है। इनमें युवा भी शामिल हैं। इस विषय पर गंभीरता दर्शाते हुए राज्य सरकार ने बीते दिनों तंबाकू युक्त उत्पादों पर नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिया है, ताकि छत्तीसगढ़ तंबाकू मुक्त राज्य बन सके। इसी क्रम में तंबाकू नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाने के लिए 17 मार्च शुक्रवार को राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आहुत की गई है। आयोजित होने वाली इस बैठक में एक ओर जहां राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की राज्य में प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही तंबाकू मुक्त राज्य निर्माण की दिशा में रणनीति भी तैयार होगी। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अवर सचिव रोमन कुमार गंगाकचूर ने पत्र जारी कर सभी सदस्यों को उपस्थित होने को कहा है। बताते चलें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य स्तरीय समन्वय समिति का गठन हुआ और हर तीन माह में मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण किया जाना तय हुआ। समिति की पहली बैठक 21 जनवरी 2015 को हुई थी, जिसमें विभिन्न विभागों को तंबाकू नियंत्रण की दिशा में कार्य एवं जिम्मेदारियां दी गई थीं। अपरिहार्य कारणों से आज तक राज्य स्तरीय समिति की बैठक नहीं हुई। मगर राज्य सरकार की तंबाकू नियंत्रण की दिशा में संवेदनशीलता के चलते समिति की द्वितीय बैठक 17 मार्च को आयोजित होगी। बैठक में सर्वप्रथम पहली बैठक में लिए गए फैसलों और कार्यवाही की समीक्षा की जाएगी। वहीं राज्य में कोटपा अधिनियम 2003 के प्रावधानों एवं तंबाकू धूम्रपान मुक्त राज्य निर्माण को ध्याम में रखते हुए कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी।

केनाल जीर्णोद्धार के लिए 2.91 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग मंत्रालय द्वारा कोरबा जिले के हसदेव बांगो परियोजना अंतर्गत हसदेव बांणी तट नहर के आरडी 0 मीटर से 100 मीटर तक बायपास एवं पावर केनाल का जीर्णोद्धार, सीसी लॉईनिंग के मरम्मत तथा 100 मीटर से 4400 मीटर बायपास नहर के क्षतिग्रस्त सीसी लॉईनिंग के मरम्मत के लिए 2 करोड़ 91 लाख 77 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मुख्य अभियंता मिनी माता हसदेव बांगो परियोजना बिलासपुर को प्रदान की गई है।

नियमों के सरल होने के बाद आसान और तेज हुआ नियमितिकरण

■ अब तक तीन हजार चार सौ से अधिक अनाधिकृत निर्माणों का नियमितिकरण

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर नियमों के सरल होने के बाद जिले में घरों और प्लाटों पर अनाधिकृत तरीके से बनाएं गये भाग का नियमितिकरण अब तेजी से हो रहा है। रायपुर जिले में अब-तक तीन हजार 438 अनाधिकृत निर्माण कार्य नियमित किये जा चुके हैं। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर धुरे की

अध्यक्षता में आज नियमितिकरण प्राधिकार समिति की बैठक में भी एक हजार 410 प्रकरणों को नियमित किया गया है। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में हुई आज की बैठक में रायपुर नगर-निगम क्षेत्र के एक हजार 275, बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के 101 प्रकरणों के साथ नगर निवेश क्षेत्रों के 34 अनाधिकृत निर्माणों को नियमित कर दिया गया। आज की बैठक में नियमित किए गए प्रकरणों में से रायपुर नगर निगम क्षेत्र में सबसे अधिक 979 प्रकरण आवासीय और 296 गैर आवासीय

अनाधिकृत निर्माण के है। इस बैठक में नगर-निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी सहित रायपुर नगर-निगम के सभी ज्चालकों के जेन कमिश्नर, बीरगांव नगर निगम के आयुक्त कीर्तिमान राठौर, समिति के सदस्य सचिव और नगर निवेश विभाग के उप संचालक डी पी एस पटेल सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में जिले में अनाधिकृत निर्माण कार्यों को नियमित करने पर निकायवार- जेनवार विचार किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास के

नियमितिकरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरणों पर विचार करते हुए नियमितिकरण की मंजूरी दी गई। आज बैठक में नगर-निगम रायपुर के जेन एक में 181, जेन दो में 63, जेन तीन में 103, जेन चार में 44, जेन पांच में 104, जेन छह में 127, जेन सात में 103, जेन आठ में 153, जेन नौ में 172 तथा जेन दस में 225 प्रकरणों में अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने का अनुमोदन किया गया। इसी तरह बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में 101, नगर एवं ग्राम निवेश क्षेत्र

रायपुर में 14, कुरी और खरोरा निवेश क्षेत्र में 1-1, आरंग निवेश क्षेत्र में 12 और तिल्दा निवेश क्षेत्र में 6 अनाधिकृत निर्माण को नियमित किया गया है।

बैठक में कलेक्टर ने नियमितिकरण के प्राप्त आवेदनों पर सभी प्रभारी अधिकारी से चर्चा कर नियमितिकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जेन के सभी वार्डों के कमर्शियल एवं आवासीय प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर नियमितिकरण के संबंध में नोटिस देने कहा। कलेक्टर ने प्रतिमाह 15 तारीख

को अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण प्राधिकार समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। हर बैठक में पिछले माह में प्राप्त नियमितीकरण के सभी प्रकरणों का जेन स्तर पर जमीन के दस्तावेजों का सूक्ष्मता से जांच कर अनुशंसा सहित प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। इसी तरह जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ और अनुविभागीय अधिकारी को नियमितिकरण की कार्यवाही तेजी से समय-सीमा में करने को कहा गया है।

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है छत्तीसगढ़ सरकार : ताम्रध्वज साहू

■ मंत्री ताम्रध्वज साहू के विभागों के लिए 12,915 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित

रायपुर/नवप्रदेश। लोक निर्माण, गृह, जेल, धार्मिक न्यास, धर्मस्व और पर्यटन मंत्री ताम्रध्वज साहू के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए सदन में प्रस्तुत लगभग 12,915 करोड़ रूपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित कर दी गई है। अनुदान मांगों पर विधानसभा के 15 सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया। पारित अनुदान मांगों में लोक निर्माण कार्य विभाग अंतर्गत सड़के और पुल के लिए 3,584 करोड़ 9 लाख 4 हजार रूपए, भवन हेतु 1,549 करोड़ 93 लाख 50 हजार रूपए, विदेशों से सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 836 करोड़ 75 लाख 88 हजार रूपए, पुलिस विभाग के लिए 6401 करोड़ 68 लाख 84 हजार रूपए,



गृह विभाग से संबंधित अन्य व्यय के लिए 116 करोड़ 42 लाख 56 हजार रूपए, जेल विभाग के लिए 220 करोड़ 80 लाख 36 हजार रूपए, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के लिए 45 करोड़ 08 लाख रूपए और पर्यटन विभाग के लिए 159 करोड़ 40 लाख 50 हजार रूपए शामिल है।

मंत्री साहू ने अनुदान मांगों पर चर्चा में कहा कि प्रदेश के विकास में बेहतर कानून व्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान है। खासतौर पर माओवाद प्रभावित क्षेत्र में बिना सुरक्षा के विकास कार्य करना लगभग नामुमकिन है। इसलिए हमने अभी तक 74 कैम्पों की

स्थापना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में की है तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार करने तथा बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए गृह विभाग दृढ़ संकल्पित है। बेहतर कानून व्यवस्था, केन्द्र एवं राज्य पुलिस बलों द्वारा संयुक्त कार्यवाही से नक्सली गतिविधियों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है और यह बजट इसी मूलमंत्र पर आधारित है।

पुलिस विभाग की चर्चा में साहू ने कहा कि साइबर अपराधों में लगातार लगाने के लिए प्रदेश के सभी 5 रेंज मुख्यालयों में साइबर थानों की स्थापना की जाएगी। वर्तमान में डायल 112 की सुविधा 11 जिलों में है, जिसे बढ़ाकर अब 28 जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चिटफंड कंपनियों पर लगातार

कार्यवाही की जा रही है और निवेशकों को राशि लौटाई जा रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि अब तक 209 अनियमित चिटफंड कंपनियों पर कार्यवाही करते हुए निवेशकों को 32 करोड़ रूपए की राशि लौटाई जा चुकी है।

मंत्री साहू ने लोक निर्माण विभाग की अनुदान मांग पर चर्चा करते हुए बताया कि राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई 01 लाख 5 हजार किलोमीटर है। अभी तक 1494 वृहद तथा 8394 मध्यम पुलों का संधारण किया जा चुका है। वर्ष 2022-23 में 2274 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया गया है। उन्होंने जानकारी दी की विगत 4 वर्षों में 764 किलोमीटर की नवीन सड़कें, 728 किलोमीटर सिंगल लेन सड़कों को डब्वल लेन तथा 609 किलोमीटर सड़कों को मल्टीलेन किया गया। इस दौरान रेलवे ओव्हर/अंडरब्रिज के 10 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 5 कार्य प्रगति पर हैं।

विरोध में आई लोगों की भीड़ से घबराई कांग्रेस सरकार : बृजमोहन

रायपुर/नवप्रदेश। विधानसभा घेराव करने निकले पूर्व मंत्री एवं रायपुर विधायक बृजमोहन अग्रवाल सहित सैकड़ों

बृजमोहन ने कहा सरकार कितना भी रोड़े अटक ले हम जन विरोधी कांग्रेस की इस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर आगे बढ़ चुके हैं।

बृजमोहन ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर सरासर झूठ बोल रहे हैं, बहानेबाजी कर रहे हैं। उन्हें तो 2011 सर्वे के 8 लाख हितग्राही, 2016 के 8 लाख हितग्राही और 4 लाख शहरी गरीबों के केंद्रीय प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराना है। निरंकुश भूंपेश सरकार ने गरीबों के सिर से छत छीनने का काम किया है और अपनी मांगों को लेकर रायपुर आने वाली जनता के ऊपर आसू गैस

के गोले छोड़े गए, लाठीचार्ज किया गया। बृजमोहन ने कहा कि इस घेराव के दौरान 100 से ज्यादा कार्यकर्ता घायल हुए हैं। एक कार्यकर्ता को गंभीर चोट लगी है। उन्होंने कहा कि यह तानाशाह सरकार लोगों को प्रताड़ित करने वाली सरकार है। बृजमोहन ने कांग्रेस सरकार को 2023 में उखाड़कर फेंकने का संकल्प लेते हुए लाखों की संख्या में रायपुर पहुंची जनता को धन्यवाद दिया।

उद्योग मंत्री लखमा मावली माता मेले में हुए शामिल

■ मंत्री लखमा ने मुसरईया माता और मावली माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की



रायपुर/नवप्रदेश। उद्योग मंत्री कवासी लखमा आज विश्वप्रसिद्ध मावली माता मेला में शामिल हुए। यहां उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ मुसरईया माता और मावली माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। सुक्मा जिले के छिंदगढ़ में मावली माता मेला का आयोजन 12 वर्ष में एक बार होता है। इसकी प्रसिद्धी इतनी है कि इस मेले में शामिल होने के लिए दूसरे

देश के लोग भी पहुंचते हैं।

मंत्री कवासी लखमा मावली माता मेला में नृत्यदल में शामिल होकर खेल बजाकर पारंपरिक नृत्य किया। इस दौरान उन्होंने छिंदगढ़ में बन रहे नए देवगुड़ी का निरीक्षण भी किया। मावली माता मेला में दूर-दूर से लोग बड़ी संख्या में

शामिल होने के लिए पहुंचते हैं। मेले में शामिल होने फ्रांस से पहुंचे दंपति ने बताया कि वे तीरथगढ़ आये थे पर जैसे ही मेले के बारे में हमें पता चला हम यह घुमने आ गये। यहां आने के बाद हमें बहुत ही शांति और सुकून का अहसास हो रहा है। इसके साथ ही हमें यहां

की संस्कृति को देखने का मौका मिला, जो हमारे लिए हमेशा अविस्मरणीय रहेगा।

इस अवसर पर चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित थे।

बाघ के द्वारा की गई पशुहानि के प्रकरणों में मुआवजे का त्वरित भुगतान

■ जिला प्रशासन ने की बाघ विचरण क्षेत्र से दूरी बनाये रखने की अपील

रायपुर/नवप्रदेश। बलरामपुर जिले में बाघ के द्वारा पशु हानि के 04 क्षतिपूर्ति प्रकरणों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पशु स्वामियों को कुल 40 हजार 500 रुपये की मुआवजा राशि का वितरण किया गया है। बलरामपुर जिला कलेक्टर

एवं वनमण्डलाधिकारी ने आमजनों को बाघ विचरण क्षेत्र से दूरी बनाये रखने की अपील की है।

गौरतलब है कि बलरामपुर जिले में 23 फरवरी से गुरु घासीदास उद्यान की ओर से वाइफनगर वन परिक्षेत्र में बाघ विचरण कर रहा है, तथा बाघ के द्वारा जंगल के किनारे बसे बसाहटों में पालतू पशुओं का शिकार किया गया। वन विभाग द्वारा इनमें त्वरित कार्यवाही करते हुए वन परिक्षेत्र

रामानुजगंज अंतर्गत ग्राम परहियाडीह के रामजीत मरकाम आत्मज रामफत्त के 01 राश बैल राशि 12 हजार 500 रूपए, वन परिक्षेत्र वाइफनगर के अंतर्गत ग्राम इकनारा मानसिंह आत्मज रामकेश्वर एक राश बैल राशि 15 हजार रूपए, वाइफनगर के अंतर्गत ग्राम गोवर्धनपुर रामनवमी आत्मज टिमल एक राश गाय राशि 6 हजार रूपए, बलरामपुर अंतर्गत ग्राम सेन्दूर सूरजदेव

मरावी आत्मज राजाराम 01 राश बछिया 7 हजार रूपए की राशि पशु हानि से संबंधित मुआवजा के रूप में भुगतान किया गया है।

बाघ के जिले में प्रवेश की सूचना के बाद से लगातार वन विभाग का मैदानी अमला बाघ के गतिविधियों लगातार नजर बनाए हुए है, इसके साथ ही ग्रामीणों को बाघ से दूरी बनाने व जंगलों में नही जाने की समझाईश दी जा रही है।

सुविधा

अर्दन डेम भौता में 100 एकड़ रकबा में सिंचाई की सुविधा निर्मित

नरवा विकास: खारी नाला से अब होने लगी सिंचाई तथा निस्तारी

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार द्वारा संचालित सुराजी गांव योजना के तहत नरवा विकास कार्यक्रम अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ वनमंडल के खारी नाला में लगभग 01 करोड़ रूपए की लागत राशि से अर्दन डेम का निर्माण किया गया है। इसके निर्माण से वन क्षेत्रों में जल के स्तर में वृद्धि के साथ-साथ 100 एकड़ रकबा में सिंचाई की सुविधा निर्मित हुई है। साथ ही वनांचल के लोगों के लिए अब पेयजल, सिंचाई तथा निस्तारी के लिए अच्छी सुविधा उपलब्ध हो गई है।

गौरतलब है कि वनमंडल मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत भौता के खारी नाला में 210 मीटर चौड़ाई एवं 10 मीटर ऊंचाई के अर्दन डेम निर्मित की गई है,



जिसकी कुल लागत 01 करोड़ रूपए है। इसका केचमेंट एरिया 55.00 हेक्टेयर है। ऊर्ध्व अर्दन डेम के निर्माण से निकटवर्त ग्रामों के लगभग 40 परिवार प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होने लगे हैं। जिसमें



से 5 सीमांत एवं 35 कुल किसानों के कुल 100 एकड़ रकबा सिंचित होगा एवं जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण से ग्रामों के आसपास क्षेत्रों एवं वन क्षेत्रों में जल के स्तर में वृद्धि होगी। इसके

फलस्वरूप वनों के पुनरूत्पादन एवं घनत्व में सघन वृद्धि के साथ-साथ वन्यप्राणियों के लिए पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। अन्य परिवारों द्वारा निस्तार के साथ-साथ मछली पालन से संबंधित

मार्गदर्शन में वनांचल स्थित नालों में कैम्पा मद के तहत भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इनके निर्माण के लिए कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के तहत 4 करोड़ 10 लाख रूपए की राशि स्वीकृत है।



शाहरुख के हॉलीवुड शिफ्ट होने के सवाल पर बोलीं प्रियंका

शाहरुख खान ने हाल ही कहा कि वह हॉलीवुड नहीं जाना चाहते और बॉलीवुड में कंफर्टेबल हैं। जब प्रियंका चोपड़ा से इस बारे में पूछा गया तो एक्ट्रेस ने कहा कि वह न तो घमंडी हैं और न ही एक देश में सफल होने का बोझ दूसरे देश में लेकर जाती हैं। प्रियंका ने कहा कि कंफर्टेबल उनके लिए बोरिंग हो जाता है। पठान एक्टर शाहरुख खान ने हाल ही एक इंटरव्यू में हॉलीवुड में काम करने के बारे में सवाल किए जाने पर ऐसा जवाब दे दिया था, जिससे प्रियंका चोपड़ा थोड़ा बिफरी-सी नजर आ रही हैं। शाहरुख से जब पूछा गया था कि वह हॉलीवुड में काम करने के बारे में क्यों नहीं सोचते हैं तो एक्टर ने जवाब दिया था कि वह हॉलीवुड क्यों जाएं? वह बॉलीवुड में कंफर्टेबल हैं। साथ ही शाहरुख ने बॉलीवुड को हॉलीवुड से बेहतर बताया। इस पर जब प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया तो उन्होंने तीखा जवाब दिया और खुद की बॉलीवुड से हॉलीवुड जाने की वजह बताई। प्रियंका ने 2002 में तमिल फिल्म से एक्टिंग डेब्यू किया था और फिर बॉलीवुड में भी काफी काम किया। लेकिन 2016 में वह बॉलीवुड से हॉलीवुड शिफ्ट हो गई। हालांकि बीच में उन्होंने 2019 में एक हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में काम किया था। प्रियंका तभी से हॉलीवुड में सक्रिय हैं और क्रांटिको सीरीज से लेकर कई फिल्मों कर चुकी हैं। हॉलीवुड में प्रियंका ने बेवॉच से कदम रखे और छा गई।

मैं बहुत ही प्रोफेशनल हूँ

प्रियंका ने आगे कहा, मैं बहुत ही प्रोफेशनल हूँ। अगर आप मेरे आसपास के लोगों से पूछेंगे तो वो भी बताएंगे कि मैं अपने प्रोफेशनल रवैये के लिए जानी जाती हूँ। मुझे इसमें गर्व महसूस होता है। मेरे पापा आर्मी में थे और उन्होंने मुझे अनुशासन का मूल्य सिखाया है। उन्होंने मुझे सिखाया कि जो भी तुम्हें मिला है, उसमें गर्व महसूस करो। उसे हल्के में मत लो और न ही उसे सिर पर चढ़ने दो। प्रियंका ने कहा कि वह आज जिस मुकाम पर हैं, वो उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से हासिल किया है। उन्होंने फालतू और बेफिजूल की चीजों में समय बर्बाद नहीं किया। प्रियंका चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने काम पर फोकस किया।

प्रियंका और शाहरुख ने साथ की फिल्में

प्रियंका चोपड़ा ने शाहरुख खान के साथ भी कई फिल्मों में काम किया और दोनों के बीच काफी अच्छी दोस्ती रही। शाहरुख और प्रियंका ने डॉन 2 और बिल्लू में एक संग काम किया। बात करें प्रियंका की सिटाडेल की तो यह अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी। इसमें लेस्ली मानविल और स्टेन्ली तुकी जैसे स्टार्स हैं।

हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा के ट्रेलर में सुनील का अलग अंदाज

हेराफेरी-3 को लेकर चर्चाओं में आए सुनील शेड्डी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी अगली वेब सीरीज हंटर-टूटेगा नहीं, तोड़ेगा का ट्रेलर जारी करके दर्शकों को एक और तोहफा दिया है। गत वर्ष के अन्त में सुनील शेड्डी एमएक्स प्लेयर की फिल्म धारावी बैंक में नजर आए थे। इस फिल्म में सुनील ने उम्र दराज गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने बहुत ज्यादा पसन्द किया था। एक बार फिर से सुनील एक्शन भूमिका में नजर आएंगे। अभी हाल इस सीरीज का एक टीजर सामने आया था, जिसमें सुनील शेड्डी एकदम अलग लुक में दिखाई दिए। टीजर के बाद फैंस ट्रेलर का इंतजार कर रहे थे। जो अब रिलीज हो गया है। सीरीज का ये ट्रेलर आते ही हर जगह छा गया है। सुनील शेड्डी, राहुल देव और ईशा देओल की वेब सीरीज हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा में सुनील शेड्डी एसीपी विक्रम के किरदार में नजर आ रहे हैं। हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा सीरीज ट्रेलर में काफी दमदार एक्शन सीन्स दिखाए गए हैं। ट्रेलर में ईशा देओल के किरदार की भी झलक दिखाई गई है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ ट्रेलर में कई संवाद भी हैं, जो लोगों को पसंद आ सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि ये एक

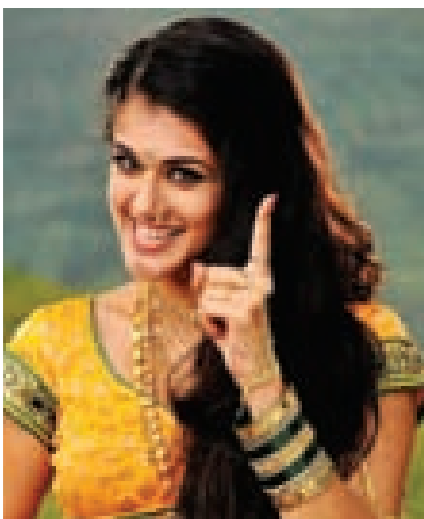
ट्रेलर को सुनील शेड्डी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस ट्रेलर को शेयर करते हुए सुनील शेड्डी ने एक दमदार कैप्शन भी लिखा है। वेब सीरीज हंटर - टूटेगा नहीं तोड़ेगा के ट्रेलर के लिए एक इवेंट का आयोजन किया गया था। इस इवेंट में सीरीज के स्टार कास्ट नजर आई थी।

भूषण कुमार ने आरआरआर की टीम को दी बधाई

इस वकत पूरे देश में जश्न के माहौल है। 95वें अक्टूबेरी अवॉर्ड्स में भारत ने अपना डंका बजाया। ऑस्कर अवॉर्ड्स के मंच पर भारत ने इतिहास रचते हुए एक नई बल्कि दो अवॉर्ड्स अपने नाम किए। जी हां, एक तरफ जहां गुनीत मोंगा की डॉक्यूमेंट्री द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने ऑस्कर अपने नाम किया, तो वहीं आरआरआर के नाटू नाटू ने जीता बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड। वहीं फिल्म आरआरआर के संगीत के लिए भागीदार बनने पर गर्व महसूस करते हुए, टी-सीरीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक भूषण कुमार ने टीम को बधाई देते हुए कहा, नातु नातु ने अपनी शानदार बीट्स पर सभी को नचाया है और ऑस्कर में यह शानदार जीत एक वसीयतनामा है। गाने को मिली सराहना के लिए! आरआरआर के संगीत के साथ जुड़ना एक परम सम्मान की बात है जिसने वास्तव में भारतीय संगीत क्षेत्र में क्रांति ला दी है, एक उल्लेखनीय इतिहास बना रहा है जिस पर पूरे देश को गर्व है। हम शुभकामनाएं देना चाहते हैं और देखना चाहते हैं संगीतकार एम.एम कीरावनी, गीतकार चंद्रबोस और गायक कला भैरव और राहुल सिलिंगुज, अद्भुत कलाकार राम चरण और जूनियर एनटीआर के साथ निर्माता डी.वी. दानय्या और दूरदर्शी निदेशक एसएस राजामौली और एसएस कार्तिकेय के साथ सहयोग करने के लिए आगे हैं।



मेहमाननवाजी में नंबर 1 हैं शाहरुख: तापसी



तापसी पन्नू ने बांधे किंग खान की तारीफों के पुल बॉलीवुड के बादशाह यानी शाहरुख खान की एक्टिंग के तो सभी दीवाने हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि रियल लाइफ में किंग खान मेहमाननवाजी के लिए भी नंबर वन माने जाते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, ऐसा कहा है एक्ट्रेस तापसी पन्नू ने। तापसी पन्नू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस किंग खान की तारीफों के पुल बांधती नजर आ रही हैं। दरअसल, ये वलीप लल्लनटॉप के न्यूजरूम इंटरव्यू का है। इस इंटरव्यू में तापसी बताती हैं कि, शाहरुख खान से उन्हें उनके मेनेजर ने मिलवाया था। शाहरुख उन्हें नाम से जानते थे। तापसी ने कहा- अब जब मुझे पता है कि उन्हें मैं नाम से याद हूँ, ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह रात में 11 बजे पार्टी से घर निकल रही थीं तो शाहरुख उन्हें दरवाजे तक छोड़ने आए थे। तापसी ने बताया कि पहली मीटिंग में ही शाहरुख खान उन्हें बहुत स्पेशल फील कराया था और वो बाकी गेस्ट से भी बहुत ही गर्मजोशी के साथ मिल रहे थे। वेसे सिर्फ तापसी ही नहीं बॉलीवुड के कई सेलेब्स शाहरुख की मेहमाननवाजी की तारीफ करते रहते हैं।



अदिति राव हैदरी की पॉपुलर भारतीय सेलेब्स की सूची में अपनी उपस्थिति की दर्ज

अदिति राव हैदरी वर्तमान में ताज-डिवाइडेड बाय ब्लड सीरीज की सफलता का आनंद ले रही हैं। अनारकली के रूप में उनके जबरदस्त प्रदर्शन से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभी भी ट्रेंड में हैं। हाल ही में लोकप्रिय भारतीय हस्तियों पर च्वाइस ऑफ द वीक के लिए जारी एक फीचर में, अदिति को पंद्रहवें स्थान से सम्मानित किया गया। यह एक अभिनेत्री के रूप में उनकी उत्साह को साझा करती है। उनकी आगामी परियोजनाओं के बारे में बता दें, अभिनेत्री 2023 में संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी और विक्रमादित्य मोटवाने द्वारा निर्देशित जुबली में नजर आएंगी - जिसका ट्रेलर जल्द ही रिलीज होने वाला है।



डिनो मोरिया मलयालम फिल्म बांद्रा में एंटी हीरो की भूमिका में

अभिनेता डिनो मोरिया मलयालम ड्रामा बांद्रा में एक एंटी-हीरो की भूमिका निभाते नजर आएंगे। मोरिया तांडव और द एम्पायर में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। बांद्रा में दिलीप और तमन्नाह भाटिया भी हैं। फिल्म एक दुखद प्रेम कहानी है जो दर्शकों को बांधे रखेगी। फिल्म के बारे में ज्यादा डिटेल अभी नहीं मिल पाया है, इसे गुप्त रखा गया है। अभिनेता एक चालाक और निर्दयी व्यवसायी की भूमिका में हैं जो वो चाहता है उसे पाने के लिए कुछ भी कर सकता है। बांद्रा में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, अभिनेता ने कहा, यह उतना ही चुनौतीपूर्ण है जितना कि एंटी-हीरो की भूमिका निभाना। इसलिए इसके लिए बहुत उत्साह है। मैं एक बहुत ही शांत और डार्क कैरेक्टर निभा रहा हूँ जिसने मुझे सीखने का अच्छा मौका दिया। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया जानने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। इस बीच, उनके पास पाइपलाइन में तेलुगु फिल्म एजेंट और मुद्रस्सर अजीज के साथ एक हिंदी फिल्म भी है।



